RNI NO.RAJHIN/2016/70602

डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-25 Valid up to 31 dec. 2025

भीम प्रज्ञा अलर्ट

जो व्यक्ति परिस्थितियों को कोसने में नहीं, बल्कि खुद को बदलने में ऊर्जा लगाता है, वही जीवन की हर कठिनाई को अवसर में बदल पाता है।

भीम प्रज्ञा

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 अंक-25 झुंझुनू (राजस्थान) | सोमवार, 15 दिसंबर, 2025 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

बीजेपी विधायक रामसहाय वर्मा को उन्हीं के कार्यकर्ता ने घेरा: 'जनता ने जिताया है, काम करना पड़ेगा'; माइक पकड़कर हुई तीखी बहस

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोंक/जयपुर।

गांव में सड़क नहीं बनने से नाराज भाजपा कार्यकर्ताओं ने निवाई विधायक रामसहाय वर्मा को घेर लिया। एक कार्यकर्ता ने विधायक का हाथ पकड़ा और माइक को नीचे कर दिया। इस दौरान दोनों के बीच तीखी बहस हुई। वीडीओ पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने कार्रवाई की बात कही। इस पर विधायक ने कहा- मैं उसका इलाज कर दूंगा। ग्रामीणों ने कहा- लिख कर दे दीजिए। इसके बाद विधायक भड़क गए और बोले- तू ज्यादा समझदार है क्या? कार्यकर्ता ने खुद को भाजपा का पूर्व जिला मंत्री बताया और कहा- आप जनता के वोट से विधायक बने हो, जनता का काम करना पड़ेगा। काहे के विधायक हो। इस पर विधायक बार-बार पूछते रहे- पार्टी के लिए क्या काम किया है, कभी पार्टी का काम किया है क्या?

सड़क नहीं बनने का मुद्दा उठाया, विधायक से जवाब मांगा

दरअसल, भजनलाल सरकार के 2 साल पूरे होने पर भाजपा 10 से 25 दिसंबर तक सुशासन पखवाड़ा मना रही है। इस अभियान के तहत सरकार की योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने भाजपा विधायक रामसहाय वर्मा शनिवार रात 7 बजे निवाई के बहड़ गांव पहुंचे थे।ग्रामीणों ने तेजाजी मंदिर से हनुमान चौधरी के कुएं तक सड़क नहीं बनने का मुद्दा उठाते हुए विधायक से जवाब मांगा। इस पर विधायक ने कहा- मुझे इस बारे में किसी ने अवगत नहीं कराया। ग्रामीणों ने कहा-भाजपा के पूर्व जिला मंत्री हनुमान चौधरी ने कई बार इस समस्या से अवगत कराया गया है। इस पर विधायक बोले- मैं हनुमान चौधरी को नहीं जानता। ग्रामीणों ने कहा- आप नहीं जानते हो। उन्होंने यहां कि समस्याओं को लेकर आपको कई बार बताया है, उन्हें यहां बुलाएं क्या? इस पर विधायक ने कहा- बुला लो। कुछ देर बाद हनुमान चौधरी आए और कहा-कन्याशाला में शौचालय मरम्मत के नाम पर करीब डेढ़ लाख रुपए हड़प लिए, जबकि मरम्मत कार्य नहीं कराया।

चौधरी ने कहा- सरकार की ओर से शौचालय निर्माण के लिए दिए जाने वाले 12 हजार रुपए की राशि की जगह ग्राम विकास अधिकारी और सरपंच ने 1.5 लाख रुपए उठाकर गबन किया है। इस पर विधायक रामसहाय वर्मा ने कहा- ऐसा है तो मैं उसका इलाज कर दूंगा। सोमवार तक इसके खिलाफ कार्रवाई करवा दूंगा। इसके बाद ग्रामीण लिखित में देने के लिए अड़ गए। एक ग्रामीण ने कहा- आप लिखित में दे दीजिए। इस पर विधायक ने कहा- तू ज्यादा समझदार है क्या? हनुमान चौधरी ने विधायक का हाथ पकड़कर माइक नीचे कर दिया। इस दौरान पुलिस ने उसे रोका और विधायक से दूर रहने की नसीहत दी। माइक लेकर विधायक बोले- क्या काम किया है पार्टी में? इस पर हनुमान चौधरी ने कहा- जनता ने बनाया है विधायक आपको, आप काहे के विधायक हो। ये आपके नहीं, हमारे कार्यकर्ता हैं, आपके नहीं। आप तो चले जाओगे। इसके बाद विधायक ने कहा- चुनाव के टाइम कहां था, कहां था चुनाव के टाइम? इस पर चौधरी ने कहा- यहीं था चुनाव के टाइम बहड़ में, बूथ पर था।

ग्रामीणों की मांग जायज है, वीडीओ पर कार्रवाई होगी

पूरे घटनाक्रम को लेकर विधायक रामसहाय वर्मा ने कहा- विरोध करने वालों में आरएलपी के कार्यकर्ता शामिल थे। हालांकि ग्रामीणों की मांग जायज है। कीचड़ भरे रास्ते और सड़क नहीं होने से ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोग वीडीओ की कार्यशैली से नाखुश है। उसके खिलाफ शिकायत मिली है, जिसकी जांच कराई जाएगी।

यह कार्यकर्ताओं का अपमान, काम के लिए तो कहूंगा ही

हनुमान चौधरी ने कहा- मैं 2001 से बीजेपी का सक्रिय कार्यकर्ता हूं। इस कार्यकारिणी से पहले करीब 5 साल बीजेपी ओबीसी का जिला मंत्री रहा हूं। मैं पीएम मोदी को आदर्श मानता हूं। सड़क की समस्या को लेकर विधायक को गांव में लगे शिविर में बता चुका हूं। फिर भी कह रहे कि मैं हनुमान को जानता नहीं। यह कार्यकर्ताओं का अपमान है, काम के लिए तो कहूंगा ही। विचारधारा के विपरीत काम करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी बीजेपी जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने बताया- विधायक से बहस के मामले में हनुमान चौधरी को बुलाकर पूरे मामले की जानकारी ली जाएगी। हनुमान पहले बीजेपी ओबीसी मोर्चा का जिला मंत्री रहा है। अभी पार्टी सदस्य तो है ही।चंद्रवीर सिंह चौहान ने कहा- मिल बैठकर पार्टी के स्तर पर बात की जाएगी। हम सब पार्टी की विचारधारा के अनुरूप कार्य करते हैं। यदि कोई भी पार्टी की विचारधारा के विपरीत कार्य करता है तो अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

झुंझुनूं में माटी कला कलाकारों को निःशुल्क विद्युत चलित चाक व मिट्टी गुंथने की मशीनों का वितरण

भीम प्रज्ञा न्यूज़ झुंझुनूं।

जिला मुख्यालय पर मोरवाल मंगल भवन में श्रीयादे माटी कला बोर्ड द्वारा वर्ष 2025-26 में चयनित 66 लाभार्थियों को 10 दिवसीय प्रशिक्षण उपरांत इलेक्ट्रिक चाक व मिट्टी गुंथने की (पगमिल) मशीन का वितरण किया गया। बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक ने बताया कि राजस्थान सरकार और माटी कला बोर्ड द्वारा निशुल्क उपलब्ध करवाई गई मशीनें कलाकरों के रोजगार और जीवन स्तर को सुदृढ़ करेंगी। उन्होंने इसे कारीगरों को आधुनिक तकनीक से लैस करने की महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि विद्युत चालित चाक और मिट्टी गुंथने की मशीन से लागत व मेहनत कम होगी, उत्पादन बढ़ेगा और आय में वृद्धि होगी। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष हृषनी कुलहरी, जिला महामंत्री महेन्द्र चंदवा, बार संघ अध्यक्ष रतन सिंह मोरवाल, प्रताप सिंह कुमावत, पार्षद अशोक प्रजापति, एसडीएम कौशल्या, विनोद सिंघाना, महावीर जी ढाका , बाबुलाल, अशोक कुमावत सहित गणमान्य उपस्थित रहे!

श्रवण भादवासी गैंग के सक्रिय सदस्य कृष्णकांत उर्फ गोलू स्वामी हत्याकांड में जिला पुलिस की बड़ी कार्रवाई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

ग्राम भादवासी (जिला सीकर) में जमीन विवाद को लेकर दो कुख्यात गैंगों के बीच हुई गैंगवार में हिस्ट्रीशीटर कृष्णकांत उर्फ रविकांत उर्फ गोलू स्वामी की हत्या के मामले में जिला पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस प्रकरण में तीन थार, तीन कैम्पर, एक फॉर्च्यूनर और एक ब्रेजा वाहन भी जब्त किए हैं। साथ ही हिस्ट्रीशीटर रविंद्र कटेवा व उसके गैंग के सदस्यों की अवैध संपत्तियों व वाहनों के खिलाफ विधिक कार्रवाई लगातार जारी है।पुलिस के अनुसार थाना गोठड़ा क्षेत्र में हिस्ट्रीशीटर रविंद्र कटेवा 0056 गैंग और श्रवण भादवासी 1657 गैंग के बीच लंबे समय से जमीन विवाद चला आ रहा था। इसी विवाद के चलते 12 दिसंबर 2025 को कैमरी की ढाणी, खिरोड़ में दोनों गैंगों के बीच फायरिंग हुई। गैंगवार के दौरान श्रवण भादवासी गैंग के सक्रिय सदस्य व रानोली थाना के हिस्ट्रीशीटर कृष्णकांत उर्फ गोलू स्वामी की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जबकि रविंद्र कटेवा गैंग का सक्रिय सदस्य सुनील सुण्डा भी गोली लगने से मारा गया। पुलिस जांच में सामने आया कि श्रवण भादवासी 1657 गैंग ने हिस्ट्रीशीटर रविंद्र कटेवा की हत्या के लिए 50 लाख रुपये की सुपारी देकर कृष्णकांत उर्फ गोलू स्वामी व उसके साथियों को भेजा था। इससे पहले नवंबर 2024 में रविंद्र कटेवा गैंग द्वारा श्रवण भादवासी गैंग के सदस्य सुरेश मुवाल पर जानलेवा हमला भी किया गया था। इसी रंजिश के चलते दोनों गैंगों में यह खूनी संघर्ष हुआ।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। एफएसएल व एमओबी टीमों से घटनास्थल की जांच करवाई गई। मृतक का शव जिला अस्पताल नवलगढ़ भिजवाया गया। प्रकरण में नामजद हिस्ट्रीशीटर रविंद्र कटेवा, विकास बटार, संदीप गिल और पंकज रूलानिया को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य फरार आरोपियों की तलाश के लिए अलग-अलग टीमें गठित कर संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी 0056 गैंग के सक्रिय सदस्य हैं और इनके खिलाफ झुंझुनूं, सीकर, कोटा, गंगानगर, बीकानेर, चूरू व दिल्ली सहित विभिन्न जिलों में हत्या, हत्या का प्रयास, आर्म्स एक्ट, संगठित अपराध, जमीन विवाद व साइबर अपराध के दो दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। दोनों गैंगों के खिलाफ हत्या, फायरिंग व संगठित अपराध की गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज कर अनुसंधान जारी है।यह कार्रवाई श्रीमान राघवेन्द्र सुहासा आईपीएस, पुलिस महानिरीक्षक जयपुर रेंज के निर्देशन तथा बृजेश ज्योति उपाध्याय आईपीएस, पुलिस अधीक्षक झुंझुनूं के सुपरविजन में की गई। पुलिस का कहना है कि जिले में संगठित अपराध व गैंगवार पर सख्ती से लगाम लगाने के लिए आगे भी कठोर कदम उठाए जाएंगे।

चौमू बागड़ा भवन में हरिनाम संकीर्तन एवं भजनामृत कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जन्म के साथ ही मनुष्य की आयु और मृत्यु निश्चित हो जाती है : राधेश्याम

भीम प्रज्ञा न्यूज.चौमूं।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया । संसार में जब मनुष्य का जन्म होता है तो ठीक उसी समय जन्म के साथ ही व्यक्ति की आयु और मृत्यु निश्चित हो जाती है। इसलिए व्यक्ति इस जीवन को जितना धर्म और सेवा के लिए समर्पित कर सके, करना चाहिए। मनुष्य जीवन में व्यक्ति को राम नाम का स्मरण अवश्य करना चाहिए, क्योंकि राम नाम के जाप मात्र से ही मानव जीव का कल्याण इस संसार में हो जाता है। इस कलयुग में ईश्वर का नाम ही काफी है और सच्चे हृदय से हरिनाम के सुमिरन मात्र से ही मानव जाति का कल्याण संभव है। इसके लिए कठिन तपस्या और यज्ञ करने की आवश्यकता नहीं है। यह बात रविवार को शहर के थाना मोड़ स्थित बागड़ा भवन में श्री गुरु प्रेरणा सत्संग मंडल चौमू के द्वारा आयोजित हरिनाम संकीर्तन एवं भजनामृत कार्यक्रम में मंडल के संरक्षक राधेश्याम जांगिड़ ने कही। मंडल के व्यवस्थापक ओमप्रकाश माधाणी ने राम दरबार व अन्य देवी-देवताओं की फूलों से मनोहरी भव्य झांकी सजाई। इन्होंने अपने मुखारविंद से भक्तों को कहा कि सत्संग सुनने व करने से मनुष्य का जीवन आनंदमय व सुखमय हो जाता है। भगवान तो केवल प्रेम के भूखे हैं। मंडल के सदस्यों ने सत्संग में उपस्थित श्रद्धालुओं को सीताराम-राधेश्याम के नाम का सस्वर जाप करवाया। भक्तों ने प्रभु का गुणगान किया। जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया। भजनामृत कार्यक्रम में गायक पवन महेश्वरी ने सुंदर भजनों की प्रस्तुति दी। जिससे उपस्थित श्रद्धालु नृत्य करने पर मजबूर हो गए व इसके पश्चात प्रभु की आरती की गई और श्रद्धालुओं को पंगत प्रसादी भी खिलाई गई। मंडल के संरक्षक राधेश्याम जांगिड़ एवं व्यवस्थापक ओमप्रकाश माधाणी ने कार्यक्रम आयोजक सुणाराम शर्मा का मंडल की ओर से माला व दुपट्टा पहनाकर एवं राम दरबार की तस्वीर भेंटकर सम्मान किया। इस साप्ताहिक हरिनाम संकीर्तन एवं भजनामृत कार्यक्रम में नृसिंहपुरी मंदिर उदयपुरिया के नृसिंहपुरी महाराज, पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, थाना प्रभारी प्रदीप शर्मा, धोली मंडी वीर हनुमान मंदिर के महंत पंडित कैलाश शर्मा, रेवतराम बागड़ा, मोहनलाल बागड़ा, मदनलाल बागड़ा, रामेश्वर, नारायण लाल, हनुमान सहाय बागड़ा, राजेश कुमार शर्मा, नरेशपाल सिंह, शिवकुमार महेश्वरी, पप्पू माधाणी, जगदीश कुमावत, बंशीधर जांगिड़ बाबा, मनोज, नवरत्न भातरा, लक्ष्मी नारायण शर्मा, ईश्वर शर्मा, संदीप भातरा, टीन्नू जांगिड़, प्रभु शर्मा, मुकेश, गणेश, रतनलाल सिद्ध, अरविंद भातरा, रामकिशोर कुमावत, नीलकमल सैनी, नगर परिषद के पार्षद संदीप शर्मा, गजेंद्र यादव सहित काफी संख्या में महिलाएं एवं पुरुष मौजूद रहे।

राजस्थान में छाने लगा कोहरा

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ का असर रविवार को कम रहा। बीकानेर, जोधपुर, अजमेर, जयपुर संभाग के अधिकांश हिस्सों में इस सिस्टम के असर से आसमान में हल्के बादल रहे। बादलों के छाने से कई शहरों के अधिकतम तापमान में गिरावट, सर्द हवा कमजोर पड़ने से न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी दर्ज हुई। मौसम केन्द्र जयपुर ने राज्य में अगले 5 दिन मौसम ड्राय रहने का अनुमान जताया है।

राज्य सरकार के दो वर्ष: रतन बिहारी मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । राज्य सरकार के कार्यकाल के 2 वर्ष पूर्ण होने पर जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में रविवार को रतन बिहारी पार्क परिसर में सघन स्वच्छता और श्रमदान कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान बीकानेर (पश्चिम) विधानसभा क्षेत्र विधायक जेठानंद व्यास, संभागीय आयुक्त विश्राम मीणा, जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि और अधिकारियों तथा स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भागीदारी निभाई। विधायक ने कहा कि स्वच्छ भारत की परिकल्पना को साकार करने में ऐसे छोटे-छोटे प्रयास महत्वपूर्ण साबित होंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपने घर और आसपास के क्षेत्र को साफ, सुथरा और स्वच्छ रखने का संकल्प लें। संभागीय आयुक्त श्री वविश्राम मीणा ने कहा कि राज्य सरकार के कार्यकाल के 2 वर्ष पूर्ण होने पर 15 दिनों तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। संबंधित विभागों के अधिकारी सरकार के निर्देशानुसार समस्त कार्यवाही सुनिश्चित करें। जिला कलेक्टर ने बताया कि स्वच्छता अभियान के दौरान निगम के समस्त संसाधनों के साथ स्वच्छता की गई। अवर फॉर नेशन के समस्त सदस्यों ने सुधीश शर्मा की अगुवाई में श्रमदान किया। इस दौरान कोटा कृषि विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ विमल डुकवाल, नगर निगम आयुक्त मयंक मनीष, बीकानेर विकास प्राधिकरण आयुक्त अपर्णा गुप्ता, उपखंड अधिकारी महिमा कसाना, नगर निगम उपायुक्त यशपाल आहूजा तथा कुलराज मीणा, देवस्थान विभाग की निरीक्षक सोनिया रंगा, राजीविका के जिला प्रबंधक दिनेश मिश्रा सहित अन्य कार्मिक मौजूद रहें।

'वोट चोर गद्दी छोड़' आंदोलन: दिल्ली में राजस्थान यूथ कांग्रेस का बड़ा शक्ति प्रदर्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नई दिल्ली/चिड़ावा।

राजस्थान यूथ कांग्रेस के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष सुधींद्र मूंड के नेतृत्व में आज दिल्ली में केंद्र सरकार के खिलाफ 'वोट चोर गद्दी छोड़' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विरोध प्रदर्शन में राजस्थान भर से आए सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लेकर हुंकार भरी। इस कार्यक्रम में चिड़ावा और झुंझुनूं क्षेत्र के प्रमुख युवा नेताओं ने अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई। राजस्थान यूथ कांग्रेस के प्रदेश सचिव अंकित फोगाट और चिड़ावा नगरपालिका क्षेत्र के सक्रिय युवा नेता सुरेंद्र सैनी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने केंद्र की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान चिड़ावा उप-प्रधान विपिन पूनिया, प्रदेश महासचिव आकाश नारनौलिया, शाहपुर पंचायत से सक्रिय युवा नेता पंकज झाझड़िया और प्रदीप कुलहरी ने भी कार्यकर्ताओं के साथ अपनी आवाज बुलंद की। इस मौके पर NSUI की प्रत्याशी जोसलिन नंदीता चौधरी भी प्रमुख रूप से मौजूद रहीं और युवा शक्ति का प्रतिनिधित्व किया।कार्यक्रम के दौरान राजस्थान यूथ कांग्रेस के प्रभारी विकास चिकारा ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं के संघर्ष की सराहना करते हुए उनका मनोबल बढ़ाया और कहा कि युवाओं का यह जोश आने वाले समय में बड़े बदलाव का संकेत है।

नंगली-बलाहिर में विकास की नई रफ्तार: 50 लाख की लागत से 10 कार्यों का लोकार्पण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नीमराना पंचायत समिति की ग्राम पंचायत नंगली बलाहिर के गांव नंगली एवं बलाहिर में रविवार को करीब 50 लाख रुपये की लागत से पूर्ण हुए विभिन्न विकास कार्यों का भव्य उद्घाटन किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम प्रधान पंचायत समिति नीमराना संतोष बलवान यादव एवं भाजपा नेता बलवान सिंह यादव के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर कुल 10 विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया, जिनमें इंटरलॉकिंग निर्माण, सड़क निर्माण तथा शौचालय निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। इन विकास कार्यों से ग्रामीणों को आवागमन, स्वच्छता एवं मूलभूत सुविधाओं में उल्लेखनीय लाभ मिलेगा। प्रधान संतोष बलवान यादव ने कहा कि गांव नंगली एवं बलाहिर की शेष बची गलियों में भी शीघ्र विकास कार्य कराए जाएंगे। उन्होंने ग्रामीणों को राजस्थान सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाना है। भाजपा नेता बलवान सिंह यादव ने अलवर सांसद एवं केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि नीमराना पंचायत समिति की प्रत्येक ग्राम पंचायत में व्यापक स्तर पर विकास कार्य कराए गए हैं। उन्होंने विश्वास दिलाया कि आने वाले समय में भी क्षेत्र में विकास की गति निरंतर बनी रहेगी। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सरपंच राजबाला पूर्ण भगत, सतबीर, मुकेश, विक्रम सिंह, रामस्वरूप सिंह चौहान, सवाई सिंह, रविंद्र यादव, रामनिवास चौहान, बहादुर सिंह चौहान, मनोज, बालाराम प्रजापत सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहें।

नाम परिवर्तन

मैं कप्तान सिंह, पुत्र श्री हरनारायण राम, निवासी ढ़ाणी पिठौला, तहसील बुहाना, जिला झुंझुनूं राजस्थान शपथपूर्वक घोषणा करता हूं कि मेरा सही नाम कप्तान सिंह (KAPTAN SINGH) है। मेरे पीपीओ रिकॉर्ड में भूलवश मेरा नाम कप्तान सिंह यादव (KAPTAN SINGH YADAV) दर्ज हो गया है। मेरे सर्विस रिकॉर्ड से 'यादव (YADAV)' उपनाम को हटाकर सही नाम कप्तान सिंह दर्ज किया जाए।

नाम परिवर्तन

मैं, नरेश (NARESH), पुत्र श्री बालू राम, उम्र 38 वर्ष, निवासी ढाणी हुक्मा, सिंघाना, तहसील बुहाना, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान जो कि घोषणा करता हूँ कि अब मैंने नाम परिवर्तन कर नरेश कुमार (NARESH KUMAR) रख लिया है। भविष्य में मुझे परिवर्तित नाम नरेश कुमार से ही जाना और पहचाना जाएगा।

राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी का भाजपा जिलाध्यक्ष और पूर्व प्रधान के नेतृत्व में भव्य स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

सिंघाना-चिड़ावा मार्ग स्थित बाबा हनुमानदास मंदिर परिसर के पास राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी का भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं की ओर से भव्य स्वागत किया गया। स्वागत कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा जिलाध्यक्ष हर्षिनी कुल्हरी एवं पूर्व प्रधान कैलाश मेघवाल ने किया। इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण व साफा पहनाकर एवं आत्मीय अभिनंदन के साथ चतुर्वेदी का स्वागत किया। कार्यक्रम में जितेंद्र ठेकेदार, सुनील कोठारी, जयप्रकाश लाम्बा, महेंद्र मोदी, प्रवीण यादव सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहें। भाजपा कार्यकर्ताओं में कार्यक्रम को लेकर उत्साह देखने को मिला और समूचा वातावरण संगठनात्मक एकता एवं विकास के संकल्प से ओतप्रोत रहा।

नैतिकता के पक्षधर थे-सरदार वल्लभ भाई पटेल

मुकेश तिवारी

सरदार वल्लभभाई पटेल एक ऐसी शख्सियत थे ,जिन्होंने सिर्फ संकल्प शक्ति और मेहनत के बलबूते पर वो मुकाम बनाया ।जिसे किसी के लिए भी छू पाना मुमकिन नहीं है। उनकी असाधारण काबिलियत ही थी कि एक साथ 562 रियासतों का एकीकरण करके उन्होंने मिसाल कायम की। इस वजह से ही उन्हें आधुनिक भारत का चाणक्य माना जाता है।

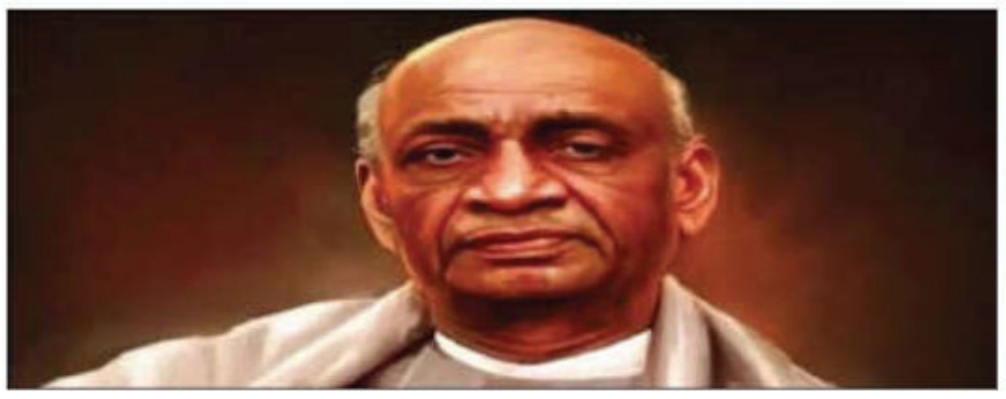

सरदार वल्लभभाई पटेल एक ऐसी शख्सियत थे ,जिन्होंने सिर्फ संकल्प शक्ति और मेहनत के बलबूते पर वो मुकाम बनाया ।जिसे किसी के लिए भी छू पाना मुमकिन नहीं है। उनकी असाधारण काबिलियत ही थी कि एक साथ 562 रियासतों का एकीकरण करके उन्होंने मिसाल कायम की। इस वजह से ही उन्हें आधुनिक भारत का चाणक्य माना जाता है।

सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के करमसद,नाडियाद ग्राम में हुआ था, इनके पिता का नाम झवेर भाई और मां का नाम लाड बाई था ।झबेर भाई मूलत बोरसद इलाके के करमसद गांव के रहने वाले थे और खेती किसानी किया करते थे। ,बल्लभ भाई सहित झवेर भाई के छ संताने थी, वल्लभभाई का बचपन माता पिता के साथ गांव में ही बीता यही पर इनकी प्रारंभिक शिक्षा हुई, इसके पश्चात माध्यमिक स्तर की शिक्षा उन्होंने नडियाद वह बड़ौदा से पूर्ण की ।

वल्लभभाई का बाल्यकाल माता -पिता के साथ गांव में ही बीता , गांव में ही इनकी प्रारंभिक शिक्षा हुई, इसके पश्चात माध्यमिक स्तर की शिक्षा इन्होने नडियाद व बडौदा से पूरी की।

वल्लभभाई के पिता झबेर भाई बड़े साहसी,संयमी और साहसी पुरुष थे,1857 की क्रांति के समय घर वालों को बिना बताए तीन साल तक घर से बाहर रहे।वही झांसी की महारानी लक्ष्मीबाई और नाना साहिब घोड़ोंपंत की सेना में भर्ती हुए, उन्होंने समस्त उत्तरी भारत का भ्रमण किया तथा स्वतंत्रता के लिए अनेक मर्तबा ब्रिटिश सेना के साथ युद्ध किया, पिता के संयम,साहस,वीरता और राष्ट्र भक्ति के गुण वल्लभभाई को संस्कार में प्राप्त हुए थे।वे बाल्यकाल से ही वक्त के अधिकतम उपयोग तथा अपने दायित्व के प्रति हर पल समर्पित रहते थे। राजनीति में दाखिल होने के पश्चात इन गुणों ने ही वल्लभभाई को हिन्दुस्तान के बिखरे हुए स्वरूप को एक सूत्र में पिरोने के लिए प्रेरित किया,उनकी दृढ निर्णय की प्रवृत्ति ने ही उन्हें लौह पुरुष कहलाने का सम्मान प्रदान किया तथा योग्य नेतृत्व के गुणों ने सरदार की पदवी से विभूषित करवाया, वल्लभभाई का विधार्थी जीवन अत्यंत परिश्रमी, उज्जवल एवं नैतिकता से पूर्ण रहा, इस स्तर पर ही उनमें भावी जीवन के शुभ लक्षण दिखाई देने लगे थे, वे नाडियाद में अध्ययनरत थे तभी उन्होंने विधालय की अव्यवस्थाओं के लिए आंदोलन किया,यहां स्कूल का एक शिक्षक पुस्तकों का व्यापार करता था तथा सभी शिक्षक उससे ही पुस्तक खरीदने के लिए विधार्थियों को बाध्य करते थे, बल्लभ भाई को शिक्षकों की यह बात उचित नहीं लगी, पटेल ने इसे नैतिकता का हनन मानकर विरोध स्वरूप आंदोलन प्रारंभ कर दिया, अंततः शिक्षकों को झुकना पड़ा,यह उनकी नैतिक सदप्रवृति का बेहतरीन उदाहरण था, अन्याय के प्रति संगठित विरोध की यह शुरूआत थी, बडौदा में आकर वल्लभभाई ने गुजराती विषय लिया,यहां छोटे लाल गुजराती पढ़ाते थे,मगर वे संस्कृत के प्रति अधिक समर्पत थे, हालांकि संस्कृत नं पढ़ने वाले विधार्थियों को छोटे लाल कतई पसंद नहीं करते थे, पटेल जी ने भी संस्कृत नहीं ली थी अतः वे उनसे नाराज रहने लगे थे।

वल्लभभाई का अडिग व्यक्तित्व गलत बातों को कभी भी स्वीकार नहीं कर सका, अल्प समय बाद ही एक अन्य अध्यापक से उनका विवाद हो गया अतः, पटेल को स्कूल से निकाल दिया गया, पटेल पुन नाडियाद आ गए, सत्य पर अडिग रहने तथा अन्याय का हर हाल में विरोध करने की उनकी बचपन की प्रवृत्ति ही भविष्य में हिंदुस्तान को एकजुट करने का पूर्वाभ्यास सिद्व हुई। वैसे भी सरदार वल्लभभाई पटेल का कहना था कि एकता के बिना जनशकित तब तक एक ताकत नहीं बन सकती ,जब तक उसे एकजुट कर सामंजस्य में न लाया जाये, तब यह एक आध्यात्मिक शक्ति बन जाती है, पटेल जी के व्यक्तित्व में दब्बूपन व दूसरों पर आश्रित रहने के भाव का समावेश कभी नहीं था,वे सदैव स्वतंत्र भाव से नैतिकता की रक्षा करते रहे, अपनी कबलियत, व्यवहार, वाक चातुर्य पर उन्हें पूरा भरोसा था, अपने इन्हीं गुणों के कारण गोधरा में वकालत करते वक्त ही उन्होंने खूब ख्याल अजिर्त कि वह हत्या जैसे संगीन मामलों में भी अपने तर्कों से सदैव प्रभावी बने रहते तथा लगभग प्रत्येक मामले में जीतते थे ।

जुलाई 1917 में बल्लभ भाई गुजरात क्लब के सेक्रेटरी चुने गए इन दिनों गांधीजी बिहार के चंपारण जिले में नील की खेती के अंग्रेज ठेकेदारों और जमीदारों द्वारा शोषित कृषकों के लिए गांव-गांव घूमकर उनके अधिकारों के लिए लड़ रहे थे ,उनके इस कार्य का देशव्यापी प्रभाव पड़ रहा था, गांधी जी ने मोतिहारी में चंपारण के चले जाने संबंधी मजिस्ट्रेट का आदेश मानने से दो टूक शब्दों में मना कर दिया और अपना काम जारी रखा, उन पर मुकदमा चला और इस मुकदमे में गांधीजी के बयान से देश भर में हड़कंप मच गया।

वल्लभ भाई व उनके मित्रों ने यह बयान समाचार पत्र में पढ़ा तथा गांधी जी के साहस से काफी प्रभावित हुए, इस घटना के पश्चात गांधीजी के प्रति वल्लभभाई के जहन में आदर भाव बढ़ा, जो उनके भावी राजनीतिक जीवन का सूत्रधार सिद्ध हुआ, वल्लभभाई 19 15 से ही गुजरात सभा के सदस्य थे,इस सभा ने सन 1917 में गोधरा में गांधी जी की अध्यक्षता में एक सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें अनेक कद्दावर नेता सम्मिलित हुए तथा प्रायः सभी ने हिंदी व गुजराती में भाषण दिया, यहां तक कि जिन्ना ने भी गुजराती में भाषण दिया, इस सम्मेलन में किसी ने भी अंग्रेजी में भाषण नहीं दिया,साथ ही ब्रिटिश ताज के प्रति वफादारी का प्रस्ताव पारित किया जाना समाप्त करवाया गया तथा इसे अनावश्यक करार दिया गया, अंग्रेजों और अंग्रेजी शासन का ऐसा विरोध पहली मर्तबा हुआ था ,इस बीच एक कार्यसमिति का गठन किया गया, जो परिषद का अधिवेशन होने तक कार्य करती रही।

इस समिति के गांधी जी स्वयं अध्यक्ष रहे तथा वल्लभभाई को मंत्री नियुक्त किया गया और इसका कार्यालय अहमदाबाद में रखा गया, अब तक देश में होम रुल की स्थापना हो चुकी थीऔर सारे देश में बेगार विरोधी आंदोलन गति पकड़ रहा था, परिषद का मंत्री होने के कारण उक्त कार्यक्रम को सफल करने का दायित्व वल्लभभाई पर ही था, वल्लभभाई ने अत्यंत ही उत्साह से कार्य प्रारंभ किया तथा कमिश्नर के साथ पत्र व्यवहार किया, शुरूआत में तो कमिश्नर ने न नुकुर की मगर वल्लभभाई ने सात दिन तक का नोटिस देकर स्पष्ट कर दिया कि यदि निर्धारित समय सीमा में उत्तर न दिया, तो वे हाईकोर्ट के निर्णय के आधार पर बेगार प्रथा को गैर कानूनी ठहराकर लोगों को बेगार देना बंद करने की सूचना दे देंगे, हालांकि कमिश्नर ने नोटिस की समयावधि समाप्त होने से पूर्व ही वल्लभभाई को बुलाकर सारी स्थिति स्पष्ट कर पटेल की अभिलाषा के अनुसार निर्णय दे दिया, गांधी जी वल्लभभाई की इस उपलब्धि से काफी खुश हुए,इस घटनाक्रम से गांधी जी के साथ उनका संपर्क बढ़ा और पटेल उनके विश्वासपात्र सहयोगी बन गये, पटेल की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण उन्होंने वकालत करनी शुरू कर दी,महज तीन वर्षों में वकालत से इतनी धन राशि अजिर्त कर ली कि वह आसानी से विदेश जाकर वकालत का अध्ययन कर सकते थे, अतः उन्होंने 1905मे में टामस कुक एंड कंपनी के साथ पत्र व्यवहार किया तथा विदेश यात्रा के लिए टिकिट आदि का प्रबंध किया , इस बीच दुर्भाग्य से टामस कुक एंड कंपनी का पत्र बल्लभ भाई के बड़े भाई विट्ठल के हाथ लग गया,पत्र का मजूम पढ़ते ही उनके जहन में विदेश जाकर बैरिस्टरी पास करने की इच्छा जागृत हो गई, काफी संकोच के पश्चात उन्होंने वल्लभभाई से कहा कि मैं तुमसे बड़ा हूं, इसलिए मुझे बैरिस्टरी के लिए विदेश जाने दो , मेरे लौटकर आने के पश्चात तुम चले जाना, तुम्हें तो बाद में भी मौका मिल जाएगा, लेकिन तुम अभी चले गए तो मुझे जाने का मौका नहीं मिलेगा,मान मयार्दा के प्रति समर्पित भाव रखने वाले वल्लभ भाई ने बड़े भाई कि आज्ञा का पालन किया और उन्हें विदेश भेज दिया।

वल्लभभाई मे परिस्थितियों को अनुकूल बना लेने की अद्भुत क्षमता थी उन्हें विदेश, जाना था इसके लिए उन्होंने इंतजार किया, विट्ठल भाई के विदेश से लौटने के पश्चात अगस्त 1910 में वल्लभभाई विदेश जाने के लिए जहाज मैं सवार हो गए ,वहां पहुंचकर बैरिसटरी ?की पढ़ाई के लिए उन्होंने मिडिल टेंपल में दाखिल लिया, यह रोमन ला की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की, इतना ही नही बैरिस्टरी की परीक्षा में भी उन्होंने प्रथम स्थान प्राप्त किया,व उस साल का पुरस्कार वल्लभभाई तथा डेविस के मध्य में बाटा गया, बल्लभ भाई ने अपनी अंतिम परीक्षा जून 1912मे उत्तीर्ण की, जिसमें उन्हें प्रथम स्थान प्राप्त हुआ , उन्हें 50 पौंड का नकद पुरस्कार मिला लौह पुरुष के नाम से ख्याति प्राप्त करने वाले सरदार वल्लभभाई पटेल सदैव से ही धैर्यवान व आत्मसंयमी रहे हैं,बड़ी से बड़ी कठिनाई को भी हंसते हुए सहन कर लेना उनके व्यक्तित्व का अंग बन गया था, बल्लभ भाई की पत्नी झवेर बाद अस्वस्थ चल रही थी तथा जिस जगह वे वकालत करते थे, वहां स्वास्थ्य लाभ की उचित व्यवस्था न होने पर उन्हें भी मुंबई भेज दिया गया, इनके साथ मणिबेन व डाहया भाई भी मुंबई आ गए, लेकिन उनका उपचार करने वाले डॉक्टर ने बताया कि 15-20 दिन बाद दवाई से स्थिति सुधारने पर ही अंतड़ियों का आपरेशन होगा,यह सुनकर वल्लभभाई वापस लौट गए, तथा आपरेशन के समय बुलवा लेने के लिए कह गए,वे मुकदमे की पैरवी के लिए आनंद चले गए, इसी दौरान जरूरी होने पर डॉक्टर ने झबेर बा का आपरेशन कर दिया, आपरेशन की सूचना बल्लभ भाई पटेल को नहीं दी गई , आपरेशन सफल रहने पर तार से सूचना भेज दी गई, दुर्भाग्य से सूचना भेजने के दूसरे ही दिन झवेर बा की हालत बिगड़ गई और वे चल बसी,झबेर बा के निधन का समाचार जिस वक्त वल्लभभाई को प्राप्त हुआ उस वक्त वे एक हत्या के मुकदमे की पैरवी कर रहे थे,जो कि अत्यधिक संगीन मामला था तथा जरा सी भी चूक जीवन मरण का प्रश्न पैदा कर सकती थी, पटेल केलिए यह अप्रत्याशित व दुःखद क्षण था, किन्तु साथ ही वे धर्मसंकट में भी उलझ गए कि क्या करें,एक तरफ हत्या का संगीन मुकदमा, जिसमे महत्वपूर्ण गवाह से जिरह की जा रही थी, जिसमें कोताही बरतने पर उसे फांसी की सजा भी हो सकती थी,दूसरी और पत्नी के अंतिम दर्शन का प्रश्न था।

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

जिसने भूख जानी, वही इंसानियत की कीमत समझता है

गरीबी केवल आर्थिक अभाव का नाम नहीं है, यह मनुष्य को जीवन की बुनियादी सच्चाइयों से परिचित कराने वाला सबसे कठोर विद्यालय है। जिनके पास भोजन, वस्त्र और आश्रय जैसी न्यूनतम आवश्यकताएं भी सहज रूप से उपलब्ध नहीं होती, वे जीवन को उस रूप में देखते हैं, जैसा वह वास्तव में है–संघर्षों से भरा, असुरक्षित और अनिश्चित। गरीबी मनुष्य को यह सिखा देती है कि एक समय की रोटी कितनी मूल्यवान होती है और यह भी कि पेट की आग बुझाने के लिए कितना संयम, श्रम और धैर्य चाहिए। यही अनुभव व्यक्ति के भीतर विनम्रता और संवेदनशीलता को जन्म देता है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

जिसने कभी खाली पेट रात बिताई हो, वह जानता है कि भूख केवल शरीर को नहीं, आत्मा को भी झकझोर देती है। भूख के सामने पद, प्रतिष्ठा और दिखावा सभी अर्थहीन हो जाते हैं। एक रोटी का टुकड़ा तब जीवन और मृत्यु के बीच की रेखा बन जाता है। गरीबी का यह अनुभव व्यक्ति को भौतिक दुनिया की क्षण भंगुरता का एहसास कराता है और उसे यह समझने में मदद करता है कि वास्तविक संपत्ति धन नहीं, बल्कि इंसानियत है। इसी कारण कहा जाता है–जिसने गरीबी की रोटियां खाई हैं, वह दूसरों की रोटियां कभी नहीं छीनता। गरीबी का दंश झेलने वाला व्यक्ति दूसरों के दर्द को शब्दों में नहीं, अनुभव में समझता है। वह जानता है कि किसी का हक छीनने का अर्थ क्या होता है, क्योंकि उसने स्वयं अभाव का अपमान झेला होता है। इसलिए ऐसे लोग प्रायः अधिक दयालु, सहानुभूतिपूर्ण और न्यायप्रिय होते हैं। वे यह भली-भांति जानते हैं कि जब संसाधन सीमित हों, तब एक छोटे से अन्याय का प्रभाव कितना बड़ा हो सकता है। यही कारण है कि गरीबी का अनुभव व्यक्ति को नैतिक रूप से अधिक सुदृढ़ बना देता है। आज का समाज विडंबनाओं से भरा है। एक ओर संपत्ति का अंबार है, दूसरी ओर भूख की लंबी कतारें। ऐसे में यदि संपन्न वर्ग गरीबी के अनुभव से सीख न ले, तो सामाजिक असंतुलन और गहरा होता चला जाएगा। अक्सर देखा जाता है कि जिन लोगों ने अभाव नहीं देखा, वे संसाधनों का उपभोग बिना संवेदना के करते हैं। उन्हें यह एहसास नहीं होता कि उनकी एक फिजूलखर्ची किसी और की ज़रूरत बन सकती थी। इसके विपरीत, जिसने कठिनाइयों में जीवन जिया हो, वह साधनों का सम्मान करना जानता है। गरीबी मनुष्य को जोड़ती भी है। समान परिस्थितियों से गुजरने वाले लोग एक-दूसरे के दर्द को बेहतर ढंग से समझते हैं। उनके बीच एक मौन समझ होती है, जो शब्दों से परे होती है। यही आपसी जुड़ाव समाज की असली ताकत बन सकता है। जब लोग अपने अनुभवों से सीखकर दूसरों के प्रति संवेदनशील बनते हैं, तभी एक न्यायसंगत और मानवीय समाज का निर्माण संभव होता है।

यह भी सच है कि गरीबी कोई महिमामंडित करने योग्य स्थिति नहीं है। कोई भी व्यक्ति स्वेच्छा से अभाव नहीं चुनता। लेकिन गरीबी से मिलने वाली सीख को नज़र अंदाज़ करना भी उतना ही बड़ा अपराध है। यह अनुभव हमें सिखाता है कि अधिकार और कर्तव्य का संतुलन कैसे बनाए रखा जाए। अगर हम चाहते हैं कि समाज में कोई किसी की रोटी न छीने, तो हमें ऐसे मूल्यों को बढ़ावा देना होगा जो सहानुभूति, साझेदारी और न्याय पर आधारित हों। सरकारें योजनाएं बना सकती हैं, संस्थाएं सहायता कर सकती हैं, लेकिन समाज का वास्तविक चरित्र उसके नागरिकों के व्यवहार से तय होता है। जब व्यक्ति यह समझ ले कि किसी का हक छीनकर मिली समृद्धि खोखली होती है, तभी बदलाव संभव है। गरीबी का अनुभव हमें यह याद दिलाता है कि हम सभी एक-दूसरे पर निर्भर हैं और किसी की पीड़ा को नज़रअंदाज़ कर कोई भी स्थायी सुख नहीं पा सकता।

जरूरी है ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता

योगेश कुमार गोयल

ऊर्जा मंत्रालय के अधीनस्थ ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा ऊर्जा दक्षता तथा संरक्षण में भारत की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए प्रतिवर्ष 14 दिसम्बर को ह्यराष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवसह्ल का आयोजन किया जाता है। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा वर्ष 2001 में देश में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम लागू किया गया था। दरअसल दुनियाभर में पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या तेजी से बढ़ी है और उसी के अनुरूप ऊर्जा की खपत भी निरन्तर बढ़ रही है लेकिन दूसरी ओर जिस तेजी से ऊर्जा की मांग बढ़ रही है, उससे भविष्य में परम्परागत ऊर्जा संसाधनों के नष्ट होने की आशंका बढ़ने लगी है। अगर ऐसा होता है तो मानव सभ्यता के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लग जाएगा। यही कारण है कि भविष्य में उपयोग हेतु ऊर्जा के स्त्रोतों को बचाने के लिए विश्वभर में ऊर्जा संरक्षण की ओर विशेष ध्यान देते हुए इसके प्रतिस्थापन के लिए अन्य संसाधनों को विकसित करने की जिम्मेदारी बढ़ गई है। ऊर्जा के अपव्यय को कम करने, ऊर्जा बचाने और इसके संरक्षण के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए ही देश में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। यह दिवस प्रतिवर्ष एक खास विषय के साथ कुछ लक्ष्यों तथा उद्देश्यों को मद्देनजर रखते हुए लोगों के बीच इन्हें अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस के आयोजन का मुख्य उद्देश्य ऊर्जा के अनावश्यक उपयोग को न्यूनतम करते हुए लोगों को मानवता के सुखद भविष्य के लिए ऊर्जा की बचत के लिए प्रेरित करना ही है।

विद्युत मंत्रालय द्वारा देश में ऊर्जा संरक्षण की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए शुरू किया गया ह्यराष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियानह्ल एक राष्ट्रीय जागरूकता अभियान है। देश में ऊर्जा संरक्षण तथा कुशलता को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 1977 में केन्द्र सरकार द्वारा पैट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान एसोसिएशन का गठन किया गया था। ऊर्जा दक्षता और ऊर्जा संरक्षण के महत्व के बारे में आम जनता में जागरूकता बढ़ाने के लिए वर्ष 2001 में एक अन्य संगठन ह्यऊर्जा दक्षता ब्यूरोह्ल स्थापित किया गया। ब्यूरो का कहना है कि प्रत्येक व्यक्ति छोटे-छोटे कदम उठाकर अपने घर अथवा कार्यालय में लाईट, पंखे, हीटर, कूलर, एसी तथा बिजली के अन्य किसी भी उपकरण के अनावश्यक उपयोग पर नियंत्रण करते हुए ऊर्जा की बचत कर सकता है। अपनी पुस्तक ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्ल में मैंने विस्तार से उल्लेख किया है कि किस प्रकार छोटे-छोटे स्तर पर ऊर्जा संरक्षण के लिए कदम उठाकर भी प्रत्येक नागरिक देश के राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियान में बहुत बड़ी मदद दे सकता है और इस प्रकार बड़ी मात्रा में ऊर्जा संरक्षण किया जा सकता है। अगर ऐसे ही कुछ छोटे उपायों का उल्लेख किया जाए तो पुराने बल्बों के स्थान पर सीएफएल या एलईडी बल्बों का इस्तेमाल किया जाए। आई.एस.आई. चिन्हित विद्युत उपकरणों का ही उपयोग करें। यथासंभव दिन के समय सूर्य की रोशनी का अधिकतम उपयोग किया जाए और जरूरत न होने पर लाइटें, पंखे, कूलर, ए.सी., हीटर, गीजर इत्यादि विद्युत उपकरण बंद रखें। खाना पकाने के लिए बिजली के उपकरणों के बजाय सोलर कुकर और पानी गर्म करने के लिए बिजली के गीजर के बजाय सोलर वाटर हीटर के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए। भवन निर्माण के समय प्लाट के चारों ओर वृक्ष लगाए जाएं तो प्रचण्ड गर्मी में भी भवन गर्म होने से बचेंगे और कूलर, एसी इत्यादि की जरूरत कम होगी। मकानों या कार्यालयों में दीवारों पर हल्के रंगों के प्रयोग से कम रोशनी वाले बल्बों से भी कमरे में पर्याप्त रोशनी हो सकती है। इससे न केवल ऊर्जा संरक्षण अभियान में सहभागी बनकर हम भविष्य के लिए ऊर्जा बचाने में मददगार बनेंगे बल्कि अपना बिजली बिल भी सीमित रख सकेंगे।

सार्वजनिक स्थानों पर सौर लाइटों की व्यवस्था होनी चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार कार्यस्थल पर दिन के समय प्राकृतिक रोशनी में कार्य करने वाले लोगों की कार्यकुशलता में वृद्धि होती है और ऊर्जा की खपत में अपेक्षित कमी आती है, वहीं तेज कृत्रिम रोशनी वाले स्थानों पर काम करने से कर्मियों में तनाव, सिरदर्द, रक्तचाप, थकान जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं देखी जाती हैं और उनकी कार्यकुशलता पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए ऑफिस में यदि पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी का व्यवस्था हो तो इससे ऊर्जा संरक्षण होने के साथ-साथ कर्मचारियों की कार्यक्षमता भी बढ़ती है। प्रतिवर्ष देश में हजारों गैलन पानी बर्बाद होता है, इसलिए ऊर्जा संरक्षण की बात करते समय जल की बबार्दी को रोकने पर पर्याप्त ध्यान दिया जाना भी बेहद जरूरी है। न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतें पूरी करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। ऐसी गंभीर समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगा लेकिन ऊर्जा के संसाधन गैर-अक्षय हों या अक्षय, हमें अपने जीवन में ऊर्जा के महत्व को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक होना ही होगा। देश के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि ऊर्जा चाहे किसी भी रूप में हो, वह उसे व्यर्थ में नष्ट न करे। अपने और आने वाली पीढ़ियों के सुखद भविष्य के लिए हमें अपने व्यवहार में ऊर्जा संरक्षण की आदतों को शामिल करना ही होगा।

पाक में हिन्दू-सिख अल्पसंख्यकों की चिन्ताजनक तस्वीर

ललित गर्ग

पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के हालात पर उठती चिंताएँ कोई नई बात नहीं हैं, पाक में हिन्दू-सिख अल्पसंख्यकों पर किस कदर अत्याचार हो रहे हैं और यह समस्या दिन-ब-दिन गहरी होती गयी है। लेकिन हाल ही के आधिकारिक आँकड़ों ने एक बार फिर इस सच्चाई को निर्मम रूप से सामने ला दिया है कि वहाँ रहने वाले हिंदू और सिख किस हद तक उत्पीड़न और भय के माहौल में जी रहे हैं। पाकिस्तान की संसदीय अल्पसंख्यक समिति ने स्वयं स्वीकार किया है कि वर्ष 1947 में वहाँ 1817 हिंदू मंदिर और गुरुद्वारे विद्यमान थे, लेकिन आज इनकी संख्या सिमटकर मात्र 37 रह गई है। यानी 1285 हिंदू मंदिर और 532 गुरुद्वारों का या तो अस्तित्व मिटा दिया गया, या उन पर जबरन कब्जा कर लिया गया, अथवा उन्हें जानबूझकर खंडहर में बदल दिया गया। यह आँकड़ा सिर्फ किसी धार्मिक स्थल का नहीं, बल्कि एक सभ्यता, एक संस्कृति और एक समुदाय के आत्मसम्मान व अस्तित्व की धीमी हत्या का प्रमाण है। यह पाक की अमानवीयता एवं संकीर्ण साम्प्रदायिक सोच का त्रासद सोच का प्रमाण है।

आधुनिक संसार में किसी भी राष्ट्र की पहचान केवल उसके आर्थिक विकास, सैन्य ताकत या राजनीतिक स्थिरता से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने नागरिकों-विशेष रूप से अल्पसंख्यकों को कितना सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर देता है। धार्मिक स्वतंत्रता किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियादी शर्त है, लेकिन पाक में यही बुनियाद डांवाडोल होती दिखाई देती है। मंदिरों और गुरुद्वारों को ध्वस्त करना, उन्हें खंडहर होने के लिए छोड़ देना, या बहुसंख्यकों द्वारा उन पर कब्जा कर लेना महज भौतिक आक्रमण नहीं, बल्कि भारतीय मूल के समुदायों की संस्कृति, उनकी स्मृतियों और उनकी पहचान पर गहरा प्रहार है। यह भारतीयों के प्रति और विशेषतः हिन्दुओं के प्रति पाक के विकृत एवं संकीर्ण दृष्टिकोण का द्योतक भी है। जब एक समुदाय अपने आराधना-स्थलों से वंचित किया जाता है, तो उसका सामाजिक मनोबल टूटता है, सुरक्षा-बोध क्षीण होता है और उनमें विस्थापन की भावना गहरी पैठ बना लेती है। यही कारण है कि पाकिस्तान बनने के समय वहाँ लगभग 15 प्रतिशत हिंदू-सिख आबादी थी, जो आज घटकर 1.6 प्रतिशत से भी कम रह गई है। जबकि भारत में मुस्लिमों की आबादी करीब 2 प्रतिशत से आज 23-24 प्रतिशत हो गयी है।

धार्मिक कट्टरता और असहिष्णुता की इस प्रवृत्ति ने पाक को न केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बदनाम किया है, बल्कि उसकी आंतरिक सामाजिक संरचना को भी खोखला कर दिया है। प्रश्न यह नहीं कि मंदिर गिराए गए या गुरुद्वारों पर कब्जा हुआ, बल्कि यह कि ऐसा करने की मानसिकता क्यों पनपती रही और राज्य की संस्थाएँ इस विनाश को रोकने में क्यों असमर्थ या अनिच्छुक बनी रहीं? जिस समय विश्व के अनेक मुस्लिम देश धर्मनिरपेक्षता और सांस्कृतिक सह-अस्तित्व की ओर बढ़ रहे हैं, पाकिस्तान लगातार अपने भीतर कट्टरता, कटुता और धार्मिक बहिष्कार की आग को पोषित करता रहा है। संयुक्त अरब अमीरात में भव्य स्वामीनारायण मंदिर से लेकर सऊदी अरब में भारतीय कर्मचारियों के लिए पूजा स्थल की व्यवस्था तक-यह उदाहरण बताते हैं कि इस्लामिक देशों में भी आधुनिकता और धार्मिक सहिष्णुता का समन्वय संभव है। ओमान, बहरीन, कुवैत, कतर और इंडोनेशिया जैसे देशों में मंदिरों और अन्य अल्पसंख्यक धार्मिक स्थलों का संरक्षण न केवल वहाँ के उदार वातावरण को दशार्ता है, बल्कि यह भी कि वे समझते हैं कि विविधता ही प्रगति का असली आधार है। इंडोनेशिया में सैकड़ों हिंदू-बौद्ध मंदिर संरक्षित हैं। यही कारण है कि हिंदू प्रोफेशनल्स और भारतीय पर्यटक इन देशों की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बने हुए हैं। इसके ठीक विपरीत पाकिस्तान की उल्टी सोच ने उसे बर्बाद कर दिया है। इसके उलट पाकिस्तान की सोच न केवल प्रतिगामी है, बल्कि आत्मविनाश की ओर ले जाने वाली भी है। धार्मिक स्थलों का विनाश केवल अतीत का मामला नहीं; आज भी कई स्थानों पर हिंदू और सिख परिवार सामाजिक दबाव, जबरन धर्मांतरण, अपहरण और उत्पीड़न जैसी समस्याओं से जूझते रहते हैं। मंदिरों पर हमला सिर्फ पत्थरों की दीवारें गिराने भर की घटना नहीं, यह उन लोगों की आस्था और अस्तित्व पर चोट है जो पीढ़ियों से इस भूमि का हिस्सा रहे हैं। ये वे लोग हैं, जिन्होंने विभाजन के घावों के बावजूद अपनी मिट्टी, अपनी स्मृतियों और अपने इतिहास से नाता नहीं तोड़ा, परंतु बदले में उन्हें जो मिला वह भय, अपमान और अविश्वास का माहौल है। पाकिस्तान की समस्या सिर्फ कट्टरपंथ की नहीं, बल्कि उस संरचनात्मक असमानता की भी है जिसे राज्य ने वर्षों तक प्रश्रय दिया है। यदि शासन-व्यवस्था अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थलों की रक्षा नहीं कर सकती, यदि पुलिस और प्रशासन अत्याचारों पर कार्रवाई नहीं करते, यदि न्यायपालिका पीड़ितों की सुनवाई नहीं करती, तो स्पष्ट है कि राष्ट्र अपनी आत्मा खो चुका है। दुनिया के किसी भी देश की प्रगति का मापक यह नहीं कि उसकी जीडीपी कितनी है, बल्कि यह कि उसके सबसे कमजोर नागरिक कितने सुरक्षित हैं। आज पाकिस्तान की छवि एक ऐसे राष्ट्र की बन चुकी है, जहाँ अल्पसंख्यकों के जीवन, आस्था और अस्तित्व को निरंतर खतरा है। पाकिस्तान की सरकारें वर्षों से जिस कट्टरवादी सोच और भारत-विरोधी नजरिए को अपना आधार बनाती रही हैं, वह न केवल विश्व समुदाय में उसकी छवि को गिरा रहा है, बल्कि स्वयं पाकिस्तान को भी विनाश के कगार पर पहुँचा चुका है। आतंकवाद को रणनीतिक औजार बनाकर और सैन्य खर्चों को अनियंत्रित रूप से बढ़ाकर उसने अपने ही देश की आर्थिक रीढ़ तोड़ दी है। दुनिया जब भारत की धरती से गूंजे 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के मंत्र को अपनाकर सहयोग, शांति तथा वैश्विक भाईचारे की दिशा में आगे बढ़ रही है, तब पाकिस्तान कट्टरवाद की राजनीति को सहारा देकर मानवता को विभाजित करने में जुटा हुआ है। भारत के प्रति उसकी शत्रुतापूर्ण मानसिकता, सीमापार आतंकवाद का समर्थन और विश्व बिरादरी में हानिकारक कदम आज विश्व शांति के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुके हैं। ऐसी नासमझ नीतियों ने पाकिस्तान को विकास, स्थिरता और अंतरराष्ट्रीय विश्वास-तीनों से वंचित कर दिया है।

जनसेवा को समर्पित सुशासन पखवाड़े के तहत दूसरे दिन भाजपा नेता दहिया ने जनसम्पर्क विकास रथ के साथ उपस्थित रहकर ग्रामीणों को किया संबोधित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पिलानी।

प्रदेश सरकार के ऐतिहासिक दो वर्ष पूर्ण होने पर 15 दिवसीय सुशासन पखवाड़े के अंतर्गत रविवार दूसरे दिन भाजपा के नेता राजेश दहिया ने पिलानी विधानसभा के पंचायत समिति पिलानी की ग्राम पंचायत मोरवा , भगीना, धीधवा बिचला, देवरोड़ व घंडावा में जनसम्पर्क विकास रथ के साथ उपस्थित रहकर सहभागिता की। इस दौरान दहिया ने

राज्य सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धियों से अवगत कराया। दहिया ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार का संकल्प है कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक उपलब्धियां व जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे और प्रदेश का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो। प्रदेश में विकास और सुशासन के नए नए आयाम स्थापित किए गए है, जिसकी महत्वपूर्ण उपलब्धियों की जानकारीया ग्रामीणों से साझा की गई। इस अवसर पर यह संकल्प लिया गया कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पिलानी विधानसभा के प्रत्येक परिवार तक समयबद्ध एवं प्रभावी रूप से पहुँच सके। इस दौरान पंचायत समिति विकास अधिकारी सुखदेवा राम, विधानसभा प्रभारी बनवारीलाल सैनी, सरपंच प्रतिनिधि रामू सिंह, नगर निकाय जिला संयोजक मुरली मनोहर शर्मा, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष सरोज श्योराण, डॉ सुरेंद्र, जिला मंत्री रिशाल, सुनीता स्वामी, सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहें।

मोरवा में पेयजल कूप का निर्माण शुरू, भाजपा नेता राजेश दहिया ने किया शुभारंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पिलानी/मोरवा।

भाजपा नेता राजेश दहिया ने रविवार को पिलानी पंचायत समिति के मोरवा ग्राम में डीएमएफटी मद से स्वीकृत नए कुएं के निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया। इस विकास कार्य से क्षेत्र की पेयजल समस्या का समाधान होगा। इस अवसर पर राजेश दहिया ने विकास कार्यों के लिए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और जलदाय मंत्री कन्हैया लाल

का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के दौरान पूर्व जिला अध्यक्ष बनवारी लाल सैनी, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष सरोज स्योरान, किसान मोर्चा उपाध्यक्ष संदीप पारीक और सरपंच प्रतिनिधि रामू सिंह मौजूद रहे। इनके साथ ही गोरधन सिंह, सांवत सिंह, मखन, राजेंद्र, वीरपाल, शेर सिंह सहित अनेक ग्रामीण और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य शुरू होने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

जमीन विवाद को लेकर रिटायर्ड फौजी के घर पर हमला, 100 से अधिक बदमाशों पर आरोप

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

चिड़ावा थाना क्षेत्र के गोगाजी की ढाणी, ओजटू मार्ग पर जमीन विवाद को लेकर शनिवार देर रात एक रिटायर्ड फौजी मूलचंद सैनी के खेत में बने मकान पर 100 से अधिक बदमाशों द्वारा हमला किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपियों ने जेसीबी और ट्रैक्टरों की मदद से मकान को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया और लाखों की नगदी व करीब 25 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात लूट ले गए।पीड़ित मूलचंद सैनी ने बताया कि घटना शनिवार रात करीब 2 बजे की है। वह अपनी पत्नी मोहनी देवी के साथ खेत पर बने मकान में रह रहे थे। इसी दौरान हथियारों से लैस बदमाश घर के बाहर पहुंचे और तोड़फोड़ शुरू कर दी। जान बचाने के लिए दंपती को भागना पड़ा। आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी।

जमीन विवाद की पृष्ठभूमि

मूलचंद सैनी ने बताया कि उनकी 11.60 हेक्टेयर जमीन को लेकर

पुलिस जांच में जुटी

चिड़ावा थानाधिकारी सीआई आशाराम गुर्जर ने बताया कि रिटायर्ड फौजी मूलचंद सैनी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया गया है। घटनास्थल का मौका मुआयना किया गया है और बदमाशों की तलाश में पुलिस टीमें जुटी हुई हैं। घटना के दौरान परिवारजनों ने दो संदिग्धों को पकड़ लिया था, जिनसे पूछताछ जारी है।पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाएगा।

पिलानी के एक ठेकेदार मोहन स्वामी से विवाद चल रहा है। इस जमीन को लेकर एग्रीमेंट हुआ था कि इंतकाल चढ़ते ही 11 लाख रुपये प्रति हेक्टेयर के हिसाब से भुगतान किया जाएगा, लेकिन दूसरी पार्टी पूरी जमीन हड़पना चाहती है। इस संबंध में राजस्थान हाईकोर्ट में मामला विचाराधीन है। मूलचंद ने घटना के पीछे इसी विवाद को कारण बताते हुए मोहन स्वामी पर संदेह जताया है।

काजी बिरादरी के 330 होनहार छात्र छात्राओं को किया सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सीकर।

सुमेर मीणा । काजी वेलफेयर सोसायटी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ कादिर हुसैन ने बताया कि 14 दिसम्बर रविवार 2025 कों काजी वेलफेयर सोसायटी के द्वारा प्रथम राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह सीकर में ख्वाजा गरीब नवाज अस्पताल एवं नर्सिंग कॉलेज के आडिटोरियम में किया गया। जिसकी शुरुआत मुफ्ती मुसा साहब ने तिलावते कुरआन की आयत इकरा से शुरूआत की। जिसमें मुख्य अतिथि हिदायत खान धोलिया पुर्व चैयरमेन राजस्थान मदरसा बोर्ड जयपुर ने कहा है कि शिक्षा से ही आज के जमाने में तरक्की कर सकते हैं बगैर शिक्षा पशु समान जिंदगी जीने पर मजबुर होना पड़ता है। मोटिवेशनल स्पीकर खादिम हुसैन खत्री ने कहा कि जिंदगी में टारगेट लेकर काम शुरू किया जाएं तो निश्चित ही सफलता हासिल होगी। सम्मान समारोह की अध्यक्षता कर रहें डॉ कादिर हुसैन ने कहा कि शुरुआत शुन्य से होती है और वही शुन्य आखिर में अरब और खरब बनता है। विशिष्ट अतिथि डॉ परवीन बानू सहायक प्रोफेसर ने कहा कि मर्द के साथ साथ कंधा मिलाकर तभी चला जा सकता है जब मर्द की शिक्षा के बराबर शिक्षा हासिल की हो। समीर बशीर खत्री ने जवानी के दिनों में बहुत कड़ी मेहनत करने के लिए कहा। सलीम खान सहायक निदेशक अभियोजन ने सरकारी

नौकरियों के लिए लगातार आठ घंटे पढ़ने के लिए बच्चों को सलाह दी।, डॉ शौकिन अली ने बच्चों और बच्चियों को मोबाइल से दुरी बनाकर किताब को दोस्त बनाने के लिए कहा।इस समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती रुखसाना बानू उपसभापति नगर पालिका उदयपुरवाटी, अहमद अल्काजी, मोहम्मद याकूब सैयद, रज्जब अली चौहान मंचस्थ रहें। काजी वेलफेयर सोसायटी के प्रदेश सचिव शिक्षाविद् खादिम हुसैन खत्री ने बताया कि प्रथम प्रदेश स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह में 330 छात्र छात्राओं के साथ साथ समाज में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वालों को सम्मानित किया गया। काजी वेलफेयर सोसायटी का यह सम्मान समारोह केजीएन अस्पताल एवं नर्सिंग कॉलेज फतेहपुर रोड़ सीकर के सभागार में सम्पन्न हुआ।जिसमें समाज के ताहिर हुसैन,असलम अली चौहान, रुस्तम अली कांट,मुकारब अली खत्री, फिरोज खान कच्छावा, एडवोकेट मोहम्मद फारूक, मुमताज अली सेवा निवृत्त सीटीआई, खादिम हुसैन भाटी,अहसान कच्छावा,अकरम अली मुगल, माहिर पार्षद, मुस्ताक अली सैयद, अब्दुल रहमान भाटी,कासम अली बीकानेर, यासीन सहायक अभियंता, हमीद काजी,जाकिर हुसैन दिलोई,डॉ खालिद हुसैन खत्री, उस्मान खत्री, इकबाल काजी बीकानेर आदि उपस्थित रहे। समान समारोह का संचालन अब्दुल जब्बार पंवार और मोहम्मद अकरम अध्यापक ने किया। और काजी वेलफेयर सोसायटी के कोषाध्यक्ष रज्जब अली उस्ताद ने सभी का आभार व्यक्त किया।

नीमराना-शाहजहांपुर से कांग्रेस कार्यकर्ताओं का जत्था रामलीला मैदान के लिए रवाना, दिखी एकजुट

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । राजस्थान - दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित हो रही कांग्रेस पार्टी की विशाल महारैली में शामिल होने के लिए राजस्थान के मुंडावर विधानसभा क्षेत्र से विधायक ललित यादव के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का बड़ा जत्था नीमराना, शाहजहांपुर और मुंडावर क्षेत्र से दिल्ली के लिए रवाना हुआ। इस दौरान कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह और संगठन के प्रति समर्पण देखने को मिला। विधायक ललित यादव ने कहा कि यह महारैली कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आह्वान पर आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि 'वोट चोर, गद्दी छोड़ो' जैसे नारों के साथ यह रैली लोकतंत्र की मजबूती और जनता की आवाज को बुलंद करने का सशक्त माध्यम बनेगी।विधायक ललित यादव ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार ने जनता के साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस कार्यकर्ता बड़ी संख्या में दिल्ली पहुंच रहे हैं और इस महारैली में देशभर से लाखों कांग्रेसजन शामिल होकर लोकतंत्र के साथ किसी भी प्रकार के खिलवाड़

के खिलाफ स्पष्ट संदेश देंगे। इस अवसर पर मुंडावर के पूर्व प्रधान रोहिताश चौधरी, जिला पार्षद भीमराज यादव, नीमराना के पूर्व सरपंच अशोक मुद्गल, नीमराना नगर कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट वेदप्रकाश सैनी, सिलारपुर के पूर्व सरपंच एडवोकेट धर्मवीर रेवाड़िया, नीमराना नगर कांग्रेस उपाध्यक्ष संजय यादव, गूगलकोटा सरपंच श्याम सुंदर यादव, वरिष्ठ कार्यकर्ता कांग्रेस सेवादल मौजीराम यादव, जोनायचा खुर्द सरपंच अजीत यादव, पंचायत समिति सदस्य संजय यादव, यूथ कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष अनूप यादव, अशोक दौराता काली पहाड़ी, राजकुमार सिलारपुर, मास्टर गजेंद्र यादव, श्योचंद उर्फ भरतरी, नीमराना कांग्रेस कमेटी महासचिव सतवीर सैनी, संजय सैनी, ताराचंद यादव, धर्मवीर शर्मा, विक्रम धाकड़ यादव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राजमाता त्रैलोक्य राज्य लक्ष्मी देवी की 36वीं पुण्य तिथि मनाई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

राजमाता त्रैलोक्य राज्य लक्ष्मी देवी की 36वीं पुण्य तिथि रविवार को सीकर में मनाई गई। राजकुमार हरदयाल सिंह त्रैलोक्य राज्य लक्ष्मी देवी चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर सिविल लाइंस स्थित श्री भवन में ट्रस्ट के पदाधिकारियों व सर्व समाज के गणमान्यजनों ने प्रार्थना सभा आयोजित कर उनकी तस्वीर के समक्ष श्रद्धासुमन अर्पित किए।

ट्रस्ट के मंत्री पवन मोदी ने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि राजमाता त्रैलोक्य राज्य लक्ष्मी देवी का जीवन हमेशा समाजसेवा, त्याग, समर्पण और समाज के उत्थान के प्रति समर्पित रहा। कहा कि वे राजपरिवार से होते हुए भी हमेशा सादगीपूर्ण जीवन में रही। कहा कि उनकी सोच थी कि हमेशा जरूरतमंद व्यक्ति की मदद

होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राजमाता की इसी सोच को साकार करते हुए उनके द्वारा 1989 में स्थापित ट्रस्ट की ओर से जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीन दी जाती है, विधवा महिलाओं को मासिक पेंशन, विद्यार्थियों को छात्रवृति, गरीब बीमार को आर्थिक सहायता और पिछड़े हुए लोगों को आर्थिक मदद दी जा रही है। प्रार्थना सभा को अन्य वक्ताओं ने संबोधित करते हुए राजमाता त्रैलोक्य राज्य लक्ष्मी देवी को ममता की मूर्ति बताते हुए उनके जीवन काल में उनके जाने के बाद किए जा रहे समाजहित के कार्यों का उल्लेख किया। वक्ताओं ने कहा कि उनके बताए मार्ग पर चलना उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी। प्रार्थना सभा का संचालन इतिहासकार महावीर पुरोहित ने किया। इस दौरान ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने अनाथ आश्रम में अन्नदान किया गया। माधव सेवा समिति को दवाईयों के लिए 31 हजार रूपये का चैक भी दिया गया।इस दौरान पूर्व प्रशासनिक अधिकारी ईश्वर सिंह राठौड़, राजवीर सिंह शेखावत, दयाल सिंह शेखावत, सीकर फाउंडेशन के जिला महामंत्री सुरेश अग्रवाल, अजीत कुमार भार्गव, रामसिंह पिपराली, राजकुमार जोशी, अनिल तोदी, सुल्तान सिंह शेखावत, ओमप्रकाश कामदार, डॉ. राजपाल सिंह, गोविंदराम सैनी, विक्रम सिंह अनोखू, शौयब गौड़, भंवर सिंह शेखावत, पवन अग्रवाल, मोहनसिंह शेखावत, सुरेंद्र सिंह सरवड़ी, सुधीर कुमार गर्ग, सुरेंद्र सिंह छापोली, सांवरमल सैनी, नंदकिशोर काबरा, वैद्य उमेश त्रिवेदी, बलबीर सिंह डाबी, पुखराज सिंह दुजोद, नरेंद्र सिंह रोरू आदि मौजूद रहे।

डॉ अनिता नेहरा फेनिन ने मुंबई में किया एसएमएस जयपुर का प्रतिनिधित्व

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

इंडियन सोसाइटी फॉर ब्लड एंड बोन मैरो ट्रांसप्लांट (ISBMT) के तत्वावधान में टाटा मेमोरियल कैंसर हॉस्पिटल, मुंबई में दो दिवसीय नेशनल वर्कशॉप का आयोजन किया गया। वर्कशॉप में देशभर के विभिन्न बोन मैरो ट्रांसप्लांट केंद्रों से विशेषज्ञ चिकित्सकों ने भाग लिया।वर्कशॉप का उद्देश्य बोन मैरो ट्रांसप्लांट से संबंधित नवीनतम उपचार प्रोटोकॉल्स, उनके मानकीकरण तथा इस क्षेत्र में अनुसंधान(रिसर्च)को बढ़ावा देना था।राजस्थान के सरकारी

चिकित्सालयों में वर्तमान में केवल सवाई मान सिंह अस्पताल जयपुर में ही एलोजेनिक बोनमैरो ट्रांसप्लांट की सुविधा उपलब्ध है। इस राष्ट्रीय स्तर की वर्कशॉप में एसएमएस मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, जयपुर का प्रतिनिधित्व रसीदपुरा निवासी डॉ अनिता नेहरा फेनिन ने किया।डॉ नेहरा ने एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर से एमडी मेडिसिन पूर्ण करने के उपरांत स्टेट कैंसर इंस्टिट्यूट जयपुर में डीएम मेडिकल ऑन्कोलॉजी में सीनियर रेज़िडेंट चिकित्सक के रूप में कार्यरत हैं।डॉ नेहरा के पति डॉ रजत फेनिन श्री कल्याण चिकित्सालय सीकर में हड्डी रोग विशेषज्ञ के पद कार्यरत हैं । सीकर जिले की बेटी द्वारा मुंबई के टाटा मेमोरियल कैंसर हॉस्पिटल में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करना क्षेत्र के लिए गर्व व गौरव की बात है।

लोक सेवा ज्ञान मंदिर की ओर से जरूरतमंदों को कंबल वितरण कार्यक्रम में बोले शिक्षाविद डॉ नाथावत -मानव सेवा व परोपकार से बड़ा कोई पुण्य नहीं

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में रविवार को जरूरतमंद व बेसहारा लोगों को सर्दी से बचाव के लिए कंबल का वितरित की।तोदी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. नगेंद्र सिंह नाथावत, ट्रस्ट अध्यक्ष श्याम सुंदर शर्मा, ट्रस्ट संरक्षक सुभाष जोशी, दीनदयाल जोशी, विश्व हिंदू परिषद से रतन सिंह बगड़ी, वार्ड पार्षद चांद खां, लक्ष्मनगढ पुलिस थाने के सहायक उप निरीक्षक महेश स्वामी, रणवीर सिंह, न्यू टैगोर पब्लिक स्कूल के निदेशक महेंद्र घासोलिया आतिथ्य में आयोजित कंबल वितरण कार्यक्रम में जरुरतमंद एवं बेसहारा लोगों को सर्दी से बचाव के लिए कंबल का वितरण किया गया। ट्रस्ट की ओर से व्यवसायी लक्खीप्रसाद बादुसरिया को ट्रस्ट की ओर से प्रशस्ति पत्र, श्रीमद्भागवत गीता, रामचरितमानस भेंट कर व ट्रस्ट का दुपट्टा पहनाकर विशेष स्वागत किया। इस अवसर पर श्यामसुंदर मुंदड़ा, भगवती प्रसाद जाजोदिया, रमेश ढण्ढ, रामावतार नाऊवाला, सुशील शर्मा बलारां, पवन कस्वां का ट्रस्ट का दुपट्टा पहनाकर कर स्वागत किया। संचालन ट्रस्ट प्रभारी राजेंद्र कुमार शर्मा ने किया । इस अवसर पर ट्रस्ट संरक्षक प्रकाश पासोरिया, गिरधारीलाल जाजोदिया, संजय जोशी, दिव्यांग प्रकोष्ठ प्रभारी कमल कुमावत, रामपाल कुमावत, रमेश छिंछासवाले, सुरेंद्र गुर्जर, राजेश शर्मा,विजय कुमावत, रामप्रसाद कुमावत, विवेक तंवर, शशि प्रकाश कुमावत, महेश कुमावत सहित ट्रस्ट के पदाधिकारी सदस्य जरुरतमंद लाभार्थी मौजूद थे ।

राजस्थान आदिवासी मीणा सेवा संघ की बैठक संपन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रिंगस।

सुमेर मीणा । निकटवर्ती ग्राम सीमारला जागीर में जिला अध्यक्ष वीरेंद्र मीणा की अध्यक्षता में जिला कमेटी की मीटिंग का आयोजन हुआ। जिसमें बालिका शिक्षा को बढ़ावा देना खर्चीली शादियों की रोकथाम, मृत्यु भोज, दहेजमुक्त शादियां, सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित करने पर विचार विमर्श किया गया। इस मौके पर प्रियंका मीणा पुत्री मोहनलाल मीणा निवासी सिमारला जागीर को सहायक कृषि अधिकारी के पद पर चयन होने पर समाज के पदाधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया। अजय कुमार मीणा पुत्र स्वर्गीय हरिराम मीणा निवासी फतेहपुरा भूमियांन जिन्होंने व्याख्याता पद पर रहते हुए 1 रूपए लेकर शादी करके समाज में मिसाल पेश की है समाज के पदाधिकारी ने उनको भी सम्मानित किया है। इस मौके सांवरमल मीना थोई ज्ञानचंद मीना त्रिलोकपुरा, गिरधारी लाल मीणा पलसाना महादेवाराम नागवा जिला महामंत्री प्यारेलाल मीणा एडवोकेट सुरेश मीणा निमेड़ा, भोलाराम मीणा अध्यक्ष धोद कालूराम मीणा हनुमान राम मीणा तहसील अध्यक्ष रिंगस माखनलाल मीणा तहसील महामंत्री रिंगस,

महेंद्र कुमार मीणा कंचनपुर सोहनलाल मीना, प्रहलाद राम मीणा, सुरेश कुमार मीणा राजेंद्र कुमार मीणा संजय कुमार मीणा गोविंद राम मीणा, कमलेश कुमार मीणा रुडमल, राजेंद्र कुमार महावीर प्रसाद, लक्ष्मणराम, सीमारला जागीर, सांवरमल मीना मलिकपुर, रामकिशोर महावीर प्रसाद रामनिवास मीणा सुनील कुमार मीणा, लाखनी, मुकेश कुमार मीणा ठीकरिया, गुड्डू मीणा पप्पूरना खेतड़ी, तहसील महामंत्री विनोद कुमार मीणा कोटडी धायलान, खंडेला तहसील महामंत्री विनोद कुमार मीणा फतेहपुरा, श्रीमाधोपुर तहसील महामंत्री सुभाष चंद्र मीणा कंचनपुर और अनेक सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

MSME उद्यमियों के लिए वित्तीय प्रबंधन का गहन प्रशिक्षण: नीमराना में 5-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यक्रम शुरू

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नीमराना सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (MSME) क्षेत्र को वित्तीय रूप से सशक्त और प्रतिस्पर्धी बनाने के उद्देश्य से एमएसएमई विकास संस्थान, जयपुर (भारत सरकार), लघु उद्योग भारती, नीमराना एवं NIIT यूनिवर्सिटी, नीमराना के संयुक्त तत्वावधान में 'MSME हेतु वित्तीय प्रबंधन' विषय पर पाँच दिवसीय राष्ट्रीय प्रबंधन विकास कार्यक्रम (MDP) का शुभारंभ आज सोमवार, 15 दिसंबर 2025 से NIIT यूनिवर्सिटी, नीमराना परिसर में किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता NIIT यूनिवर्सिटी, नीमराना के कुलपति प्रो. प्रकाश गोपालन ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में एसडीएम मुण्डावर सृष्टि जैन ने कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रदेश कार्यकारिणी से के.के. यादव की विशेष उपस्थिति भी रही। लघु उद्योग भारती, नीमराना के अध्यक्ष शशांक भारद्वाज ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए 60 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 35 प्रतिभागियों का चयन किया गया है। चयनित प्रतिभागियों को वित्तीय प्रबंधन, लागत नियंत्रण, कर योजना, निवेश मूल्यांकन सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर गहन एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिससे वे अपने उद्यमों का बेहतर संचालन कर सकें। उन्होंने जानकारी दी कि कार्यक्रम की समस्त व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी लघु उद्योग भारती, नीमराना की ओर से सुनील कुमार जुनेजा द्वारा कुशलतापूर्वक निभाई जा रही है। वहीं NIIT यूनिवर्सिटी के प्रो. (डॉ.) गुरेन्द्र नाथ भारद्वाज द्वारा प्रतिभागियों के पंजीकरण, कार्यक्रम समन्वय एवं एमएसएमई विकास संस्थान के साथ समग्र समन्वय का कार्य किया जा रहा है, जिससे कार्यक्रम का संचालन सुचारु और प्रभावी रूप से सुनिश्चित हो सके। आयोजकों के अनुसार यह पाँच दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम स्वस्थ उद्यमियों को आधुनिक वित्तीय दृष्टिकोण से सशक्त बनाते हुए उन्हें आत्मनिर्भर और बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा।

नशा मुक्ति युवा का विकसित भारत कार्यक्रम का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नवलगढ़।

कमल किशोर पंवार । विश्व हिंदू परिषद मातृशक्ति की ओर से आदर्श विद्या मंदिर उच्च प्राथमिक विद्यालय, नवलगढ़ में 'नशा मुक्त युवा फोर विकसित भारत' कार्यक्रम आयोजित किया गया। सामाजिक कार्यकर्ता पवन बोहरा ने नशे की लत के कुप्रभावों पर प्रकाश डाला तथा किसी भी नशे से सदैव दूर रहने को कहा। इस अवसर पर प्रखंड मंत्री सुरेश कुमार ने नशा मुक्त भारत बनाने के लिए विश्व हिंदू परिषद के योगदान पर संबोधन

दिया। सभी को नशा मुक्ति हेतु प्रतिज्ञा दिलाई गई। इस दौरान अतिथि के रूप में हिंदू जागरण मंच के पंजाब प्रांत के संयोजक रामकुमार व्यास, विश्व हिंदू परिषद प्रखंड नवलगढ़ के संरक्षक रामकुमार सिंह राठौड़, प्रखंड मंत्री सुरेश कुमावत, पुष्पा शर्मा, पूनम पाटोदिया, संगीता शर्मा, दीनानाथ रुथला, ओम प्रकाश ढाका, रामनिवास सैनी, पवन शर्मा, अभिभावक, मातृशक्ति, आचार्य-आचार्या एवं भैया-बहिने उपस्थित रहें।

गांव थली का लाडला रविंद्र सिंह बना भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सिंघाना।

झुंझुनूं जिले के लिए यह अत्यंत गर्व का क्षण है कि रवीन्द्र सिंह पुत्र रघुवीर सिंह एवं पौत्र फूला राम कसाणा का 13 दिसम्बर 2025 को भव्य कमीशनिंग सेरेमनी के साथ भारतीय सेना में कमीशंड ऑफिसर के रूप में चयन हुआ। रघुवीर सिंह स्वयं भारतीय सेना से सेवानिवृत्त सैनिक हैं, जिनके संस्कार, अनुशासन एवं देशभक्ति की भावना का सजीव उदाहरण आज उनका परिवार बन चुका है। उल्लेखनीय है कि रवीन्द्र सिंह की बड़ी बहन पूनम कसाना पहले से ही भारतीय सेना में कमीशंड अधिकारी के रूप में राष्ट्र सेवा कर रही हैं। एक ही परिवार से दोनों भाई-बहन का भारतीय सेना में अधिकारी के रूप में चयन न केवल थली गांव बल्कि पूरे झुंझुनूं जिले के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। यह उपलब्धि सिद्ध करती है कि जब परिवार में राष्ट्रसेवा का संकल्प, अनुशासन और त्याग की परंपरा हो, तो पीढ़ियां देश के लिए समर्पित होकर आगे बढ़ती हैं। इस ऐतिहासिक अवसर पर रवीन्द्र सिंह के माता-पिता एवं उनके माम पवन नागर विशेष रूप से उपस्थित रहें और उन्होंने इस गौरवपूर्ण क्षण को परिवार के साथ मिलकर भावुकता एवं गर्व के साथ मनाया। रवीन्द्र सिंह की यह

सफलता युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है कि कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और देशभक्ति से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं। गांववासियों एवं क्षेत्रवासियों ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं और दोनों अधिकारियों के उज्ज्वल, साहसिक एवं यशस्वी सैन्य जीवन की कामना की है। रविंद्र सिंह के ताऊ राजेंद्र सिंह सतबीर सिंह चाचा राजेश चाचा बीड़दी चंद की तरफ से सभी बधाई देने वाले और ग्राम वासियों व क्षेत्रवासियों को धन्यवाद दिया गया

प्रतिस्पर्धात्मक युग में शिक्षा के साथ बच्चों का सर्वांगीण विकास समय की जरूरत- सांसद सुभाष बराला

एसआरडी पब्लिक स्कूल, इंदाछोई के 9वें वार्षिक समारोह में सांसद बराला ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । एसआरडी पब्लिक स्कूल, इंदाछोई में रविवार को विद्यालय का 9वां वार्षिक समारोह बड़े ही हर्षोल्लास, गरिमा और उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। इस आयोजन में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात विद्यालय के नन्हे-मुन्ने एवं वरिष्ठ विद्यार्थियों द्वारा एक से बढ़कर एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। विद्यार्थियों ने नृत्य, गीत, समूह गान, लघु नाटिकाओं एवं देशभक्ति से

ओत-प्रोत प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति, सामाजिक मूल्यों, पर्यावरण संरक्षण और नैतिक शिक्षा का सुंदर संदेश दिया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने विद्यार्थियों द्वारा आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। प्रदर्शनी में विज्ञान, तकनीक, पर्यावरण, ऊर्जा संरक्षण, स्वास्थ्य एवं दैनिक जीवन से जुड़े विषयों पर आधारित विभिन्न मॉडलों और प्रयोगों को प्रदर्शित किया गया। यह प्रदर्शनी अत्यंत ज्ञानवर्धक, रचनात्मक एवं नवाचार से परिपूर्ण रही, जिसमें बच्चों की वैज्ञानिक सोच, कल्पनाशीलता और शोध प्रवृत्ति प्रभावशाली रूप से सामने आई। सांसद ने प्रत्येक स्टॉल पर जाकर विद्यार्थियों से संवाद किया और उनके प्रयासों की सराहना की। समारोह को संबोधित करते हुए सांसद सुभाष बराला ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में शिक्षा के साथ-साथ बच्चों का सर्वांगीण विकास अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के वार्षिक समारोह, सांस्कृतिक कार्यक्रम और विज्ञान प्रदर्शनी बच्चों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और रचनात्मक सोच को विकसित करते हैं। उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है।राज्यसभा सांसद ने विद्यालय प्रबंधन, प्रधानाचार्य, समस्त शिक्षकगण, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों को इस सफल आयोजन के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों और अनुशासन की भी सराहना की तथा विद्यालय के निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर रहने की कामना की।

लोक अदालत के बारे में सरकार जनता को सही जानकारी उपलब्ध करायें-एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा

लोक अदालत की प्रक्रिया बारे सही प्रचार व जानकारी न होने से हरियाणा के हर जिले में भ्रमित रहे लोग

टोहाना में भी सही जानकारी न मिलने पर अदालत के सम्मुख लोगों ने रोष स्वरूप किया प्रर्दशन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चंडीगढ/टोहाना।

रजत विजय रंगा । लोक अदालत के निर्धारण सम्बन्धि भ्रातियो के चलते जनता लोक अदालत का सही रूप से दायरा समझनें में नाकाम रही जिससे हर उपमंडल व जिला स्तर पर जनता बकाया बिजली बिलों व यातायात सम्बन्धी चालान को लेकर जनता सुबह से शाम तक अदालतों के चक्कर लगाते दिखे जब कि यह बात समझाने वाला कोई नहीं था कि यह लोक अदालत केवल न्यायिक विचाराधीन मुकदमों के लिए निर्धारित होती है ,इस प्रकार की लोक अदालतों में केवल और केवल पूर्व निर्धारित मुकदमों के फैसलों को करने के लिए आयोजित है परंतु जनता में यह यूंट्यूब के जरिए से कुछ व्यक्तियों ने यह। बात फैला दी की साल की आखिरी लोक अदालत है इसमें सब कुछ माफ होगा जिससे जनता में गलत सन्देश प्रचारित

हो गया तथा इस झूठी खबर के बाद महिलाएं अपने अपने बिजली के बिल माफ़ करवाने पहुंच गई जबकि अदालत उनकी यह। समस्या का समाधान चाह कर भी नहीं कर सकती थी क्योंकि इस तरह की लोक अदालतों में सूचीबद्ध मुकदमों या किसी भी विचाराधीन मुकदमा जिसमें समझौता के आसार हो ऐसे मुकदमे को दोनों पक्षों के वकीलों द्वारा अदालत में दरखास्त या निवेदन कर सम्बंधित मुकदमा फाईल पर फैसले के लिए कहा जाता है ।जब कि जो शिकायत या समस्या का मुकदमा अदालत में विचाराधीन नहीं है उसे लोकअदालत में नहीं सुना जा सकता ऐसी बिजली पानी बिल व यातायात सम्बन्धी चालान के समाधान के लिए सम्बन्धित राज्य सरकार अलग से कैंप इत्यादि लगा कर समाधान शिविर आयोजित करती है परंतु कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा ग़लत व भ्रामक प्रचार के चलते आम जनता को परेशानी हुई है जिस पर सम्बन्धित अधिकारियों व सरकार को संज्ञान लेकर ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करनी चाहिए ताकि भविष्य में इस प्रकार की व्यवस्था से जनता को परेशानीयों का सामना न करना पड़े। हरियाणा सरकार जन समस्याओं को लेकर समाधाने शिविर या समाधान कैंप आयोजित करें जिससे आम जनता की बेसिक समस्याओं का समाधान हो सके। भीम आर्मी लीगल विंग के प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा टोहाना ने हरियाणा सरकार के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर मांग की है कि गरीब परिवारों की इस प्रकार की समस्याओं को लेकर हरियाणा सरकार कैंप व लोक अदालत (गैर न्यायिक मामले)का आयोजन करें जिससे आम आदमी अपनी शिकायत का समाधान करवा कर समस्या से निजात पा सके।

विधायक कप 2025 : आठवें दिन मैदान में उतरे विधायक राजेन्द्र भाम्बू, खिलाड़ियों की हौसला-अफजाई से गूंजा रतनशहर

माखर पंचायत में ग्रामीण क्रिकेट का जुनून चरम पर, विधायक ने लिया खिलाड़ियों से परिचय

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

जिले के रतनशहर में रतनशहर यूथ क्लब के तत्वावधान में आयोजित विधायक कप रतनशहर-माखर 2025 एकल ग्रामीण क्रिकेट प्रतियोगिता अपने पूरे शबाब पर है। 7 दिसंबर से प्रारंभ हुई 24 दिवसीय इस प्रतियोगिता के आठवें दिन झुंझुनू विधायक श्री राजेन्द्र भाम्बू मैदान में पहुंचकर खिलाड़ियों की हौसला-अफजाई करते नजर आए।विधायक भाम्बू ने सबसे पहले अलसीसर व जवाहरपुरा की टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और मैदान पर खेलते हुए अपने बचपन के खेल दिनों की यादें ताजा कीं। इस दौरान पूरे खेल परिसर में जोश, उत्साह और ग्रामीण क्रिकेट का जबरदस्त माहौल देखने को मिला। खिलाड़ियों एवं उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक राजेन्द्र भाम्बू ने कहा कि खेल अनुशासन, ईमानदारी और टीम

भावना का सबसे बड़ा माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि प्राचीन समय में खेल समय व्यतीत करने का सर्वोत्तम साधन हुआ करते थे, वहीं आज तकनीक के विस्तार के साथ खेलों में भी व्यापक बदलाव आया है। अब ग्रामीण स्तर पर खेले जा रहे मैचों का भी लाइव प्रसारण संभव हो गया है, जिससे लोग घर बैठे खेल का आनंद ले पा रहे हैं। विधायक ने इस सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से गांवों में आपसी भाईचारा, सामाजिक समरसता और सामूहिक सहभागिता को बल मिलता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता माली सैनी समाज संस्था झुंझुनूं के जिलाध्यक्ष महेन्द्र शास्त्री ने की। उन्होंने खिलाड़ियों से मन लगाकर खेलने के साथ-साथ नशे की लत से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशा एक खिलाड़ी के पूरे करियर को बर्बाद कर सकता है, इसलिए इससे दूर रहना ही सफलता की कुंजी है।

इस अवसर पर विधायक राजेन्द्र भाम्बू ने खेल मैदान में इंडोर प्रैक्टिस कारिडोर का फीता काटकर शुभारंभ भी किया, जहां खिलाड़ी नियमित अभ्यास कर सकेंगे। मंच पर उपस्थित अतिथियों में प्रो. हितेश सैनी, पूर्व वार्ड पंच प्रतापराम सैनी (रतनशहर), पूर्व पंचायत समिति सदस्य जगदेव पूनिया, डॉ. सुरेन्द्र सैनी एवं जगदीश सैनी (रतनशहर) शामिल रहे। आयोजन समिति की ओर से विक्रम सैनी रतन शहर, वरिष्ठ अध्यापक दलीप कुमार सैनी इस्लामपुर,सौरभ योगी इस्लामपुर एवं सुमेर सैनी ने बताया कि 24 दिवसीय इस प्रतियोगिता का समापन 31 दिसंबर 2025 को होगा। इस दौरान रामेश्वर सिरोवा, सुभाष सैनी, वरिष्ठ अध्यापक संदीप सैनी, सुरेन्द्र सैनी एवीएनल, पंकज शर्मा, प्रवीण सैनी, जसवंत वर्मा, सुभाष एलआईसी,कपिल, सज्जन, रघुवीर सहित बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी उपस्थित रहें।

भैसावता में शहीद सुजान सिंह की प्रतिमा का अनावरण, वीरांगनाओं व शहीद परिजनों को किया सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सिंघाना।

भैसावता गांव में शनिवार को देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीद सुजान सिंह की प्रतिमा का भावपूर्ण वातावरण में अनावरण किया गया। कार्यक्रम में देशभक्ति और सम्मान का भाव स्पष्ट रूप से झलकता रहा। प्रतिमा अनावरण समारोह के मुख्य अतिथि वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता संतोष अहलावत ने की। इस अवसर पर सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजोर, सूरजगढ़ नगर पालिका अध्यक्ष पुष्पा गुप्ता, दशरथ सिंह एवं संदीप शास्त्री विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने शहीद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके बलिदान को राष्ट्र के लिए अमूल्य बताया।

वीरांगनाओं और शहीद परिजनों का हुआ सम्मान

समारोह के दौरान शहीदों की वीरांगनाओं एवं परिजनों को सम्मानित कर समाज की ओर से कृतज्ञता व्यक्त की गई। शहीद सुजान सिंह की वीरांगना मंजू कंवर का सम्मान किया गया। इसके साथ ही घरडाना निवासी शहीद स्क्वाड्रन लीडर कुलदीप सिंह की माता कमला देवी एवं

पिता रणधीर सिंह, तथा भैसावता निवासी शहीद अजय सिंह की माता सुलोचना कंवर एवं पिता कमल सिंह को भी मंच से सम्मान प्रदान किया गया।

शेखावाटी की वीर परंपरा पर वक्ताओं ने डाला प्रकाश

मुख्य अतिथि अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि शेखावाटी क्षेत्र का सैन्य योगदान देश के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है। उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा में शहीदों का योगदान अतुलनीय है और उनकी स्मृतियों को जीवंत रखना प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने केंद्र सरकार की वन रैंक वन पेंशन योजना एवं अग्निवीर योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे युवाओं में राष्ट्रसेवा की भावना और कार्यक्षमता दोनों का विकास हो रहा है। सैनिक कल्याण बोर्ड अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजोर ने कहा कि शहीद केवल परिवार के नहीं, पूरे समाज की धरोहर होते हैं। उन्होंने कहा कि शहीदों को सम्मान देने से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है।

2021 में नक्सली हमले में हुए थे वीरगति को प्राप्त

गौरतलब है कि शहीद सुजान सिंह वर्ष 2021 में ओडिशा के कोरापुट क्षेत्र में हुए नक्सली हमले के दौरान वीरगति को प्राप्त हुए थे। वे सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की 155वीं बटालियन में तैनात थे। उनके परिवार में दो पुत्र ओमवीर सिंह और रविंद्र सिंह, तथा भाई सूरत सिंह हैं।

ग्रामीणों ने रखीं विकास संबंधी मांगें

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों एवं शहीद परिजनों ने क्षेत्र में ट्रॉमा सेंटर की स्थापना, सैनिक छावनी निर्माण तथा शहीद प्रतिमा स्थल तक सीसी सड़क निर्माण की मांग रखी। अतिथियों ने इन मांगों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित स्तर पर आवश्यक पहल का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में तहसीलदार बजरंग लाल जाखड़, सेवाराम गुप्ता, लियाकत अली, विशंभर पूनिया, विकास भालोठिया, वर्षा सोमरा, रतन सिंह तंवर, मोहनलाल गुप्ता, विकास शर्मा, गिरवर सिंह तंवर, हनुमान यादव, अशोक अरडावतिया, शेर सिंह, विजेंद्र भास्कर, बालकिशन भंवर टेलर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि एवं पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

भिर्र गाँव में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित, 60 ग्रामीणों ने उठाया लाभ

चिड़ावा के डॉ. विकास कुमार के नेतृत्व में हुई जांच; बीपी और शुगर की जांच का मिला फायदा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

भिर्र गाँव में रविवार को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक एक दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में करीब 50 से 60 लाभार्थियों ने स्वास्थ्य जांच और विशेषज्ञ परामर्श का लाभ उठाया। राजीव अस्पताल, चिड़ावा के फिजिशियन डॉ. विकास कुमार के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। शिविर के दौरान लाभार्थियों ने डॉक्टर की सलाह, ब्लड प्रेशर (बीपी), शुगर (मधुमेह) और अन्य आवश्यक स्वास्थ्य जांचें करवाईं। यह स्वास्थ्य शिविर दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हुआ, जिन्हें

विशेषज्ञ डॉक्टर से परामर्श लेने के लिए शहर तक जाना पड़ता है। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना की और बताया कि ऐसे नि:शुल्क शिविर उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और समय पर इलाज करवाने में मदद करते हैं। डॉ. विकास कुमार ने बताया कि स्वास्थ्य जांच के दौरान कई लोगों में शुरुआती स्टेज की स्वास्थ्य समस्याएं पाई गईं, जिन्हें समय पर दवाइयाँ और उचित जीवनशैली अपनाने की सलाह दी गई।

सहड़ का बास में बुजुर्गों, दिव्यांगों और विधवा महिलाओं को कंबल वितरित

लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट ने ठंड से बचाव के लिए बांटे कंबल; सीआई बनवारी लाल यादव रहे मुख्य अतिथि

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पचेरी।

शेखावाटी क्षेत्र में सक्रिय सामाजिक संस्था लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट द्वारा बुहाना तहसील के सहड़ का बास गांव में एक महत्वपूर्ण सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान ठंड के प्रकोप को देखते हुए गांव के बुजुर्गों, दिव्यांगों और विधवा महिलाओं को कंबल वितरित किए गए। कार्यक्रम का आयोजन गांव की सरकारी स्कूल के प्रांगण में किया गया, जिसमें सीआई बनवारी लाल यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपसरपंच धर्मपाल चौरा ने की। विशिष्ट अतिथि के तौर पर पूर्व सरपंच ओमप्रकाश बोहरा, पूर्व पंच प्रभुदयाल, शिक्षाविद् सहीराम तूंदवाल, इन्द्राज, मनीराम, जोरावार सिंह समेत कई गणमान्य व्यक्ति मंच पर आसीन रहे। मुख्य अतिथि सीआई बनवारी लाल यादव ने संस्था के इस परोपकारी कार्य की सराहना करते हुए कहा कि विपरीत मौसम में जरूरतमंदों की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने कहा कि ऐसे सामाजिक कार्य समाज को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का मंच संचालन कर रहे एडवोकेट हरेश पंवार ने बताया कि भीषण ठंड के मौसम में संस्था द्वारा किए गए इस प्रयास से जरूरतमंद लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। संस्था की महिला प्रकोष्ठ से मीना एच पंवार ने बताया कि लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट लगातार सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहता है और आगे भी जरूरतमंदों की मदद के लिए प्रयासरत रहेगा। इस मौके पर तहसील प्रभारी नवीन कुमार, रामसिंह, श्रीराम, सिंहराम, निवास, दिनेश पंवार, मनोज, विकास, प्रदीप, केतन, सचिन समेत अन्य ग्रामीणजन और संस्था के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आदमपुर हलके सहित हिसार जिले से हजारों कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढक़र वोट चोर गद्दी छोड़ महारैली में लिया हिस्सा- विधायक चंद्रप्रकाश

विधायक चंद्रप्रकाश ने हजारों कार्यकर्ताओं के साथ वोट चोर गद्दी छोड़ महारैली में की शिरकत

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने महारैली में हरियाणा के हर मतदाता के हित की बात की : विधायक चंद्रप्रकाश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.हिसार/मंडी आदमपुर।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । विधायक चंद्रप्रकाश ने दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित वोट चोर गद्दी छोड़ महारैली में हजारों कार्यकर्ताओं के साथ हिस्सा लिया। महारैली की सफलता देखकर चंद्रप्रकाश ने कहा कि भाजपा की दमनकारी नीतियों से जनता बुरी तरह आहत है इसलिए अपनी आवाज बुलंद करने के लिए आदमपुर हलके सहित हिसार जिले से हजारों कार्यकर्ताओं ने महारैली में बढ़-चढक़र हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि कार्यकर्ताओं का उत्साह इतना अधिक था कि सुबह गहरी धुंध के बीच मदीना टोल के पास अनगिनत गाडिय़ों में समर्थक पहुंच गए। यहां से विशाल काफिले के रूप में सभी कार्यकर्ता दिल्ली के रामलीला मैदान में पहुंचे। उन्होंने

कार्यकर्ताओं का भाजपा के प्रति रोष देखकर स्पष्ट हो गया कि वोट चोर गद्दी छोड़ महारैली मील का पत्थर साबित होगी : विधायक चंद्रप्रकाश

कहा कि कार्यकर्ताओं का भाजपा के प्रति रोष देखकर स्पष्ट हो गया कि यह महारैली मील का पत्थर साबित होगी।

विधायक चंद्रप्रकाश ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने महारैली के माध्यम से हरियाणा के हर मतदाता के हित की बात की। उन्होंने कहा कि हरियाणा के लोग इस महारैली में काफी संख्या में पहुंचे हैं। इन्हें पता है कि इनका चुनाव चोरी कर लिया गया है। राहुल गांधी ने कहा कि जनता को डरने की जरूरत नहीं है, हम आपके साथ हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सच्चाई की लड़ाई लड़ रही है जबकि चुनाव आयोग असत्य की लड़ाई में भाजपा का साथ दे रहा है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिार्जुन खडग़े व कांग्रेस पार्टी की महासचिव प्रियंका गांधी ने भी महारैली को संबोधित करके कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाया।

रैली के उपरांत कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करते हुए चंद्रप्रकाश ने महारैली की सफलता की बधाई दी और कहा कि वोट चोरी के लिए हरियाणावासी भाजपा को सबक सिखाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा छल, कपट व झूठ-फरेब की राजनीति कर रही है। बड़े-बड़े व झूठे दावे करके जनता को बरगलाना व वोट चोरी करना ही भाजपा की रणनीति है। ऐसे प्रपंचों से सत्ता हासिल करने वाली भाजपा सरकार को सत्ता में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा की जनविरोधी नीतियों के प्रति कांग्रेस कार्यकर्ताओं सहित तमाम प्रदेशवासियों में रोष व्याप्त है। गरीब, मजदूर, किसान व पिछड़ा वर्ग मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहा है। उन्होंने कहा कि जनता के समक्ष भाजपा की सच्चाई आ चुकी है। अब जनता भाजपा सरकार से किसी भी दशा में मुक्ति चाहती है।

फतेहाबाद जिले में नेशनल लोक अदालत में 25327 मामलों में से 19168 मामलों का आपसी सहमति से हुआ निपटारा

जिला व उपमंडल स्तर पर चौथी नेशनल लोक अदालत का आयोजन, न्यायाधीशों ने की मामलों की सुनवाई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । लोक अदालतों के माध्यम से पक्षकारों को सुलभ व शीघ्र न्याय प्राप्त होता है, साथ ही अदालत में मामलों का निपटारा होने से धन व समय की भी बचत होती है। यह बात अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नवेंदु जैन ने शनिवार को जिला स्तर पर स्थानीय न्यायिक परिसर में आयोजित इस वर्ष की चौथी नेशनल लोक अदालत में मामलों की सुनवाई करते हुए उपस्थित नागरिकों व अधिवक्ताओं से कही। इस मौके पर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव गायत्री भी मौजूद रही। शनिवार को राष्ट्रीय विधिक सेवाएं प्राधिकरण (नालसा) के तत्वावधान में हरियाणा राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण (हालसा) के दिशा निर्देशानुसार जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के अध्यक्ष दीपक अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की ओर से शनिवार को जिला मुख्यालय फतेहाबाद व उपमंडल टोहाना व रतिया की न्यायिक परिसरों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। नेशनल लोक अदालत में मामलों की सुनवाई करते हुए न्यायाधीशों ने कहा कि नेशनल लोक अदालत में सहज एवं सरल न्याय का सिद्धांत है। लोक अदालत में ना कोई जीतता है और ना कोई हारता है। उन्होंने कहा कि नेशनल लोक अदालत में आपसी सहमति और समझौते से मामलों का निपटारा कर नागरिकों को राहत दी गई है। उन्होंने कहा कि लोक अदालत एवं मध्यस्थता ऐसे माध्यम है, जिनसे आपसी

विवादों का निराकरण जड़ से होता है। राजीनामे से दोनों पक्षों के बीच में विवादों का निराकरण होने से मामलो में आगे की मुकदमेबाजी को रोकता है। इससे दोनों पक्षों के धन व समय की बचत होती है।नेशनल लोक अदालत में 25327 मामलों में से 19168 का हुआ निपटारा:- शनिवार को जिला मुख्यालय फतेहाबाद, उपमंडल रतिया व टोहाना के न्यायिक परिसरों में आयोजित करवाई गई नेशनल लोक अदालत में न्यायाधीशों ने मामलों की सुनवाई करते हुए 25327 मामलों में से 19168 का निपटारा किया गया। इसके अलावा 10 लाख 11 हजार 300 रुपये की राशि जुर्माना व अवार्ड के रूप में पास की गई। प्री-लिटिगेशन के 20032 मामलों में से 16604 का निपटान किया गया। इसी प्रकार से लंबित केसों में 5295 मामलों में से 2564 का निपटान किया गया जबकि 10 लाख 11 हजार 300 रुपये की राशि जुर्माना व अवार्ड के रूप में पास की गई।

इन न्यायाधीशों की कोर्ट में लगी अदालत:-

नेशनल लोक अदालत में जिला स्तर पर अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नवेंदु जैन, अतिरिक्त सिविल जज (सीनियर डिवीजन) कम सीजेएम सुयशा जावा, सिविल जज (जूनियर डिवीजन) कम न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी जोगिंद्र जांगड़ा, उपमंडल रतिया उपमंडल में सिविल जज (जूनियर डिवीजन) कम जेएमआईसी कुमारी ज्योति व उपमंडल टोहाना में सिविल जज (जूनियर डिवीजन) कम जेएमआईसी मुकेश कुमार की कोर्ट में लोक अदालत आयोजित कर विभिन्न मामलों को सुनवाई की गई।

इन मामलों की हुई सुनवाई:-

इस वर्ष की चौथी नेशनल लोक अदालत में एनआई एक्ट मामले (धारा 138), धन वसूली मामले, आपराधिक मिश्रित मामले, एमएसीटी मामले, श्रम एवं रोजगार संबंधी विवाद, बिजली, पानी और अन्य बिल, वैवाहिक विवाद, रख-रखाव के मामले, भूमि अधिग्रहण के मामले, सेवाएं संबंधी मामले, राजस्व मामले सहित अन्य सिविल और आपराधिक मामलों की सुनवाई की गई।

परहित से बड़ा कोई धर्म नहीं- केंद्रीय मंत्री मेघवाल

एपेक्स हॉस्पिटल तथा कम्यूनिटी वेलफेयर सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में विशाल निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । एपेक्स हॉस्पिटल तथा कम्यूनिटी वेलफेयर सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को बेसिक इंग्लिश स्कूल परिसर में विशाल निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल थे। मेघवाल ने कहा कि निरोगी काया ही सबसे बड़ा सुख है। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का निवास होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे स्वस्थ रहेंगे, तो देश स्वस्थ रहेगा। यह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक देश को विकसित बनाने के संकल्प में सहायक सिद्ध होगा। मेघवाल ने एपेक्स हॉस्पिटल तथा कम्यूनिटी वेलफेयर सोसाइटी द्वारा किए जा रहे जनहित के कार्य की सराहना की और कहा कि परहित से बड़ा कोई धर्म नहीं होता। दूसरों की सेवा करने वाले व्यक्तियों को हमेशा याद रखा जाता है।? कम्युनिटी वेलफेयर सोसाइटी के संरक्षक राजकुमार किराडू ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने समिति की गतिविधियों के बारे में बताया तथा कहा कि संस्था द्वारा 10 वर्षों से सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्रीराम गोपाल सुथार, शिक्षाविद नारायण व्यास, गुमान सिंह राजपुरोहित, कम्यूनिटी वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष

श्री कन्हैया लाल भाटी और श्री विजय आचार्य आदि अतिथि के रूप में रहें। कम्यूनिटी वेलफेयर सोसाइटी द्वारा केंद्रीय मंत्री का अभिनंदन किया गया। तत्पश्चात केंद्रीय मंत्री ने मेडिकल शिविर का मुआयना किया तथा चिकित्सा सेवा में लगे चिकित्सकों की हौसला अफजाई की। इस दौरान प्रेम व्यास, शिवलाल तेजी, प्रदीप उपाध्याय, देवानंद चावरिया, प्रकाश व्यास, राजू पारीक, गोपाल ओझा, गोविंद माली, राहुल चुरा, शिव सुथार, नवीन डूडी, सोमराज बिश्नोई, सुधा आचार्य, हैप्पी व्यास, जयप्रकाश पारीक, रोहन मोदी, हर्षवर्धन जोशी, चन्द्र जोशी, श्याम चौधरी, हनुमान सिंह, रमजान, सांगीलाल गहलोत, अनिल हर्ष सहित विभिन्न गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें।

राठ इंटरनेशनल स्कूल ने मेधावी विद्यार्थियों को दिया स्कॉलरशिप का अवसर: 10,755 विद्यार्थियों ने लिया भाग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नीमराना क्षेत्र के दूघेड़ा स्थित राठ इंटरनेशनल स्कूल में मेधावी विद्यार्थियों के लिए आयोजित स्कॉलरशिप कम ऐडमिशन टेस्ट परीक्षा में रिकॉर्ड 10,755 विद्यार्थियों ने भाग लिया। यह परीक्षा रविवार, 14 दिसंबर को राठ इंटरनेशनल ग्रुप ऑफ स्कूल के तत्वावधान में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। विद्यालय के चेयरमैन बलवान सिंह यादव ने बताया कि इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी मेधावी विद्यार्थी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर अवसरों से वंचित न रहे। इसी सोच के तहत स्कॉलरशिप कम ऐडमिशन टेस्ट आयोजित किया गया, जिसके आधार पर चयनित विद्यार्थियों को आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए 100 प्रतिशत तक ट्यूशन फीस में स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी। इस परीक्षा में वर्तमान में कक्षा 1 से 11 तक अध्ययनरत विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। परीक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने ज्ञान और प्रतिभा को परखने के साथ-साथ उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहयोग पाने का सुनहरा अवसर मिला। विद्यालय प्रशासन द्वारा जानकारी दी गई कि परीक्षा का परिणाम 15 दिसंबर 2025 को घोषित किया जाएगा। विद्यार्थी अपने परिणाम विद्यालय की वेबसाइट पर अथवा विद्यालय

परिसर में जाकर देख सकेंगे। इस अवसर पर राठ इंटरनेशनल ग्रुप ऑफ स्कूल के चेयरमैन बलवान सिंह यादव के शिक्षा क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों और योगदान की सराहना की गई। वहीं, सेक्रेटरी नितेश यादव एवं डायरेक्टर शिवानी ने इस सफल आयोजन पर सभी अभिभावकों, प्रतिभागी विद्यार्थियों और शिक्षकगण का आभार व्यक्त किया। परीक्षा में शामिल विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट एवं कैलेंडर प्रदान किए गए। विद्यालय प्रबंधन ने भरोसा दिलाया कि राठ इंटरनेशनल स्कूल भविष्य में भी होनहार विद्यार्थियों के लिए ऐसे अवसर निरंतर उपलब्ध कराता रहेगा।

भाजपा किसान मोर्चा का जिला संयोजक नियुक्त, डॉ. नवीन कुमार ठोलिया का हुआ स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष एवं केंद्रीय कृषि कल्याण राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी के निर्देशानुसार राजस्थान सरकार के गौरवशाली दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 10 दिसंबर 2025 से 25 दिसंबर 2025 तक आयोजित किए जा रहे 'सुशासन पखवाड़ा' को जन-जन तक पहुंचाने के लिए भाजपा किसान मोर्चा द्वारा सोशल मीडिया के प्रदेश व जिला संयोजकों की नियुक्ति की गई है। इसी क्रम में डॉ. नवीन कुमार ठोलिया को भाजपा किसान मोर्चा, झुंझुनूं का जिला संयोजक (सोशल मीडिया) नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा झुंझुनूं की ओर से नव नियुक्त जिला संयोजक का स्वागत कार्यक्रम रविवार, 13 दिसंबर 2025 को होटल ओएसिस रिसोर्ट में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि पूर्व प्रधान कैलाश मेघवाल रहे, जबकि अध्यक्षता रतन तंवर, जिला अध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा झुंझुनूं ने की। कार्यक्रम में जिला महामंत्री धर्मेंद्र गुड्डु नेहरा ने नव नियुक्त जिला संयोजक का स्वागत कर उनका परिचय प्रस्तुत किया।

अपने संबोधन में डॉ. नवीन कुमार ठोलिया ने प्रदेश किसान मोर्चा अध्यक्ष भागीरथ सिंह चौधरी एवं शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा

कि पार्टी ने जो विश्वास और जिम्मेदारी उन्हें सौंपी है, उसे वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगे। पूर्व प्रधान कैलाश मेघवाल ने भी नव नियुक्त संयोजक को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष ईश्वर सिंह, मंडल अध्यक्ष अशोक शर्मा, संदीप रायला, पवन पूनिया, विक्रम रोहिला, अविनाश गुप्ता, आशीष गोयल, पंकज मित्तल, सुदर्शन डूडी, अमित चौधरी, उमेश दुलड, कमल दुधवा, संदीप सरदारपुरा, प्रकाश लांबा, दीपक बांगड़वा सहित अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

65 वर्ष की आयु में विनोद दाधिच की हैट्रिक, सीकर मैराथन में 21 किमी दौड़ 1 घंटा 55 सेकेंड में की पूरी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

शहर में रेलवे स्टेशन के पास रहने वाले भारतीय नौसेना के भूतपूर्व सैनिक विनोद दाधिच ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उपलब्धि की हैट्रिक लगाई है। 65 वर्ष की आयु में उन्होंने सीकर मैराथन में लगातार तीसरी बार भाग लेते हुए 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन को 1 घंटा 55 सेकेंड में सफलतापूर्वक फिनिश किया। विनोद दाधिच की इस उपलब्धि से चिड़ावा एवं झुंझुनू जिले का नाम पूरे राजस्थान में रोशन हुआ है। उनकी इस सफलता ने यह सिद्ध कर दिया कि अनुशासन, नियमित अभ्यास और दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर उम्र कोई बाधा नहीं होती। उनके इस शानदार प्रदर्शन पर क्षेत्रवासियों व खेल प्रेमियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है।

नापासर में डॉ. अंबेडकर छात्रावास निर्माण हेतु स्व. मीरा देवी की स्मृति में सहयोग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । जिले के नापासर कस्बे में अनुसूचित जाति जनजाति मानव कल्याण संस्थान, बीकानेर द्वारा प्रस्तावित डॉ. अंबेडकर छात्रावास निर्माण के लिए एक सराहनीय पहल सामने आई है। नापासर निवासी स्वर्गीय मीरा पत्नी भैराराम कड़ेला की स्मृति में उनके परिजनों ने छात्रावास निर्माण हेतु कुल 10 हजार 100 रूपए की सहयोग राशि प्रदान की है। सहयोग राशि का विवरण इस प्रकार है–स्व. मीरा देवी के पुत्र मांगीलाल कड़ेला ने 5,900, दामाद ओमप्रकाश घड़सीसर ने 3,100 तथा रतिराम चौहान व गोमन्दराम चौहान ने संयुक्त रूप से 1,100 का योगदान दिया। कुल मिलाकर 10,100 की यह राशि छात्रावास निर्माण के कार्यों में उपयोग की जाएगी। संस्थान के सचिव सोहनलाल गोयल ने सहयोग के लिए परिजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 'बूंद-बूंद से घड़ा भरता है। समाज के गरीब व जरूरतमंद छात्रों के लिए बेहतर शिक्षा व आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सभी को अपनी क्षमता व इच्छा अनुसार सहयोग करना चाहिए।' उन्होंने आमजन से भी इस पुनीत कार्य में आगे आने का आह्वान किया।संस्थान पदाधिकारियों ने बताया कि डॉ. अंबेडकर छात्रावास का उद्देश्य अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को सुरक्षित आवास व अध्ययन का बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना है। स्वर्गीय मीरा देवी की स्मृति में दिया गया यह सहयोग न केवल उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है, बल्कि गरीब व प्रतिभाशाली छात्रों के भविष्य को संवारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है।

मनोज खंडेलवाल बने अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के जिला संगठन मंत्री

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर।

अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन ने दौसा जिले में अपने संगठनात्मक ढांचे को और मजबूत करने की दिशा में अहम निर्णय लेते हुए मंडावर निवासी वरिष्ठ पत्रकार मनोज खंडेलवाल को दौसा जिला संगठन मंत्री नियुक्त किया है। यह नियुक्ति महासम्मेलन के संभागीय आयुक्त एवं दौसा जिलाध्यक्ष मनोहरलाल गुप्ता द्वारा, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष एवं दौसा जिला मुख्य संरक्षक रमेश खंडेलवाल (मंडावर वालो) की सहमति से की गई है। नियुक्ति के साथ ही संगठन की नीतियों, अनुशासन और तय दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य करते हुए जिले में संगठन को सशक्त बनाने की स्पष्ट जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। मनोज खंडेलवाल ने अपनी नियुक्ति पर संगठन नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि वे महासम्मेलन की विचारधारा, नियमों और सामाजिक उद्देश्यों के अनुरूप पूरी निष्ठा और सक्रियता से कार्य करेंगे तथा वैश्य समाज को संगठित, जागरूक और मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। उनकी नियुक्ति की सूचना मिलते ही संगठन से जुड़े पदाधिकारियों, समाजबंधुओं और परिचितों में उत्साह का माहौल बन गया। बधाइयों का सिलसिला फोन कॉल और सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार जारी है। समाज के वरिष्ठ लोगों का कहना है कि पत्रकारिता के क्षेत्र में लंबे अनुभव और सामाजिक सरोकारों की मजबूत समझ रखने वाले मनोज खंडेलवाल की नियुक्ति से जिले में अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन को नई ऊर्जा मिलेगी और संगठनात्मक गतिविधियों को गति प्राप्त होगी।

खेजड़ी कटाई के विरोध में संघर्ष जारी: बीकानेर में 150वें दिन भी धरना, नोखा दईया में 515 दिन पूरे

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । बीकानेर जिले में खेजड़ी वृक्षों की अवैध कटाई और बड़े सौर ऊर्जा (सोलर) संयंत्रों के बढ़ते पर्यावरणीय प्रभावों के विरोध में चल रहा पर्यावरण संघर्ष समिति का आंदोलन लगातार गति पकड़ रहा है। समिति के मुख्य धरने को आज 150वां दिन पूरा हो गया है, जबकि खेजड़ला रोही नोखा दईया में चल रहा विरोध प्रदर्शन अब 515वें दिन में प्रवेश कर चुका है। धरने पर बैठे प्रमुख कार्यकर्ता बालूराम लेघा ने सरकार की नीतियों पर कड़ा विरोध जताते हुए आरोप लगाया कि सरकार खेजड़ियों को कटवाकर मरुस्थल (रेगिस्तान) के साथ घोर अन्याय कर रही है। लेघा ने सोलर प्लांटों के दूरगामी दुष्परिणामों पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, 'जहाँ-जहाँ सोलर प्लेटें लगी हैं, उन रास्तों से निकलना दुभर हो रहा है। अगर यही स्थिति रही तो बीकानेर शहर भी अगले कुछ सालों में 'भट्टी के रूप में' परिवर्तित हो जायेगा।' उन्होंने चेतावनी दी कि यदि

इन वृक्षों को नहीं बचाया गया तो क्षेत्र का पर्यावरण पूरी तरह नष्ट हो जाएगा। आंदोलन की बढ़ती गंभीरता इस बात से स्पष्ट होती है कि आज धरने में समाज के विभिन्न वर्गों–इंजीनियर, वकील और आमजन–ने सक्रिय रूप से भाग लिया। आज उपस्थित रहकर समर्थन देने वालों में सज्जन कुमार बेनीवाल, रामगोपाल बिश्नोई, चौथाराम, ताहिर खान, रामप्रताप वर्मा, रामदेव मेघवाल, बुधराम सिगड़, बुधराम सियाग, हनुमान काकड़, महेन्द्र भादू, रामेश्वर लाल गोदारा पलाना, इंजि. ओम प्रकाश बिशनोई, हीरुखां टावरी, अरूण कुमार वैध, शरीफ समेजा, छगन खारा, ओम पन्नू, एडवोकेट प्रेम बिशनोई, सैयद कासम, रघुनाथ वर्मा, बनवारी लाल धारणिया, भँवर लाल चाहर, सहीराम बांगूड़ा, चुन्नीलाल खड़गावत, हुसैन हिन्दुस्तानी व रामचन्द्र पूनिया आदि शामिल थे। पर्यावरण संघर्ष समिति ने स्पष्ट किया है कि जब तक खेजड़ी कटाई पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाया जाता और सोलर प्लांटों के पर्यावरणीय प्रभाव को नियंत्रित नहीं किया जाता, उनका यह शांतिपूर्ण आंदोलन जारी रहेगा।

गांधी छात्रावास बचाओ संघर्ष समिति की हुई बैठक

(छात्रावास को किसी भी कीमत पर नहीं खोने देने का लिया संकल्प)

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नवलगढ़।

कमल किशोर पंवार । कस्बे के पीपली चौक के पास कई वर्षो से अनुसूचित जाति व जनजाति के छात्रों के लिए गांधी छात्रावास संचालित था। जिसका संचालन पहले तो बाला साहेब ने किया था फिर एक वर्ष के लिए नवलगढ़ के केशरदेव वर्मा ने किया था उसके बाद मे नवलडी के मखन लाल भारतीय ने किया था, मखन लाल भारतीय ने काफी वर्षो तक इस गांधी छात्रावास का संचालन किया था ये छात्रावास समाज की धरोहर थी। इस गांधी छात्रावास के संचालनकर्ता मखन लाल भारतीय ने नगरपालिका मे फर्जी तरीके से इस छात्रावास का फर्जी पट्टा बनाकर बेच दिया है। वक्ताओं ने जानकारी देते हुए बताया कि ये सामाजिक संस्था है इसका बेचान किया जाना बिल्कुल गलत है। समाज के लोगो को जैसे ही ये सूचना मिली की छात्रावास बेच दिया है तो अनुसूचित जाति के लोगो ने अम्बेडकर पार्क मे एक मीटिंग का आयोजन किया है।जिस पर अनुसूचित समाज के सभी लोगो ने ये निर्णय लिया है कि किसी भी कीमत मे इस छात्रावास को जाने नही देंगे। हर हाल मे इस छात्रावास को खाली करवाएंगे इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से रणनीति बनाई जाएगी। मीटिंग मे एक कमेटी का भी गठन किया गया है, जिसका नाम गांधी छात्रावास बचाओ संघर्ष समिति रखा गया मीटिंग बैठक में सेवानिवर्त पुलिस अधीक्षक कन्हैया लाल बेरवाल, चीफ इंजीनियर रामेश्वर लाल कल्याण, भोलाराम जाग्रत, कमांडेंट रामवतार नारनौलिया, सुभाष बुनकर, जगदीप डिगवाल, जगदीश माहीच तहशीलदार, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी दीपचंद पंवार, जोरवरसिंह, जीवण राम मेव, हरलाल सिंह, रामवतार सबलानिया, मदनलाल खटीक, हरिराम सोगण, शिवदयाल जाग्रत, पूरण मल जाग्रत, रमेश माहीच, योगेंद्र मेव, महेश माहीच, जगदीश जोया, किशोर सबलानिया, रामस्वरूप घुघरवाल सहित काफी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे।

विधायक काला के नेतृत्व में 'वोट चोर गद्दी छोड़' रैली के लिए दिल्ली रवाना हुए पिलानी विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ता

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पिलानी।

एआईसीसी द्वारा आयोजित दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली 'वोट चोर गद्दी छोड़' रैली में भाग लेने के लिए पिलानी विधायक पितराम सिंह काला के नेतृत्व में पिलानी विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ता अलसुबह दिल्ली के लिए रवाना हो गए। इस अवसर पर रीटा चौधरी जिला कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व प्रधान शेर सिंह नेहरा,विपिन नूनिया प्रदेश महासचिव युवा कांग्रेस, डॉ हरिसिंह सांखला प्रदेश उपाध्यक्ष एससी डिपारटमेंट, राजकुमार राठी जिला अध्यक्ष राजीव गांधी पंचायती राज संगठन, महेश कटारिया जिला अध्यक्ष नगर निकाय प्रकोष्ठ, संजय सैनी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष,चिड़ावा, विनोद काजला ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पिलानी, सुमित्रा सैनी

अध्यक्ष चिड़ावा , रोहिताश रणवा अध्यक्ष प्रतिनिधि विद्या विहार,सूर्यकांत शर्मा नगर कांग्रेस अध्यक्ष चिड़ावा, मोहित जनेवा सतवीर धतरवाल जिला परिषद, नरेंद्र लमोरिया जिला परिषद सदस्य, मेहर कटारिया,अजीज खान, महेंद्र सिलायच, अमीलाल जीणी, पूनिया, वीरेंद्र पूनिया, लतीफ खान, मनजीत जी काजड़ा , संदीप धतरवाल, विनोद डांगी सरपंच ओजटू, महावीर जोया सरपंच खुडाना, अनिल कटेवा सरपंच बख्तावरपुरा, सुभाष भांबू अलीपुर, अरविंद बाडेटिया, अनिल जांगिड़, पूर्व नगर अध्यक्ष राधेश्याम शर्मा सुखाड़िया, महिपाल सिंह, जलै सिंह, मनोज शर्मा, बिहारी लाल सैनी व श्याम सैनी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने रैली के माध्यम से केंद्र सरकार के खिलाफ अपनी एकजुटता प्रदर्शित की।

भारतीय टीम ने अंडर-19 एशिया कप में पाकिस्तान को हराया

दुबई (एजेंसी)। आरोन जॉर्ज के शानदार अर्धशतक के बाद दीपेश देवेंद्रन और कनिष्क चौहान की घातक गेंदबाजी की सहायता से भारतीय टीम ने पाकिस्तान को अंडर-19 एशिया कप क्रिकेट मैच में 90 रनों से हरा दिया। इस मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतने के बाद भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया था। भारत ने आरोन के 85 और कनिष्क के 46 रनों की सहायता से 46.1 ओवर में 240 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 241 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान टीम 41.2 ओवर में 150 रन ही बना पायी। पाकिस्तान की टीम 241 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भातरीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी। उसकी शुरूआत धीमी और टीम के लगातार विकेट गिरते गये। केवल हुजैफा अहसान ही 50 रन बनाये पाये। इस खिलाड़ी के आउट होते ही पाक टीम की बल्लेबाजी ढ़ह गयी।

इससे पहले आरोन और कनिष्क की अच्छी बल्लेबाजी से भारतीय टीम ने 240 रन बनाए। इस मैच में आरोन ने 85 रन की अर्धशतकीय पारी खेली जबकि कनिष्क ने 46 रन बनाये। वहीं पाक की ओर से मोहम्मद सैय्यम और अब्दुल सुभान ने 3-3 विकेट लिए। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी आज असफल रहे और केवल 5 रन ही बना पाये। वह 3.2 ओवर में मोहम्मद सैय्यम का शिकार बने।

यशस्वी के अलावा भारतीय टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे भी 38 रन ही बना पाये। विहान मल्होत्रा ने 12 रन जबकि वेदांत त्रिवेदी ने 7 रन बनाये। अभिज्ञान कुंडू ने 32 गेंदों पर 22 रन बनाए। आरोन ने सबसे बेहतर खेलते हुए 12 चौके और एक छक्का लगाकर 88 गेंदों पर 85 रन बनाए। खिलान पटेल केवल 6 रन ही बना पाये। कनिष्क चौहान 46 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में 46 गेंदों पर 2 चौके, 3 छक्के लगाये। -हेनिल पटेल12 रन जबकि दीपेश देवेंद्रन 1रन बनाकर पेवेलियन लौटे।

भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी भी प्राप्त करने वाला - अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावे के साथ कहा है कि भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी भी प्राप्त करने वाला है। उन्होंने यह बात अहमदाबाद में आयोजित सांसद खेल महोत्सव में कही। अमित शाह ने महोत्सव में उपस्थित लोगों से कहा कि वे और भी बड़े खेलों के आयोजन के लिए तैयार हो जाएं।

सांसद खेल महोत्सव में अमित शाह ने कहा, आप सबको हाल ही में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी मिली है। मगर अहमदाबाद के लोगों तैयार हो जाओ, क्योंकि इस शहर में 2036 के ओलंपिक्स भी आने वाले हैं। बता दें कि यह समारोह नारनपुरा में हुआ, जहां अमित शाह नवनिर्मित वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में पहुंचे थे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार से गुजरात की तीन दिवसीय यात्रा शुरू की थी। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद 2036 से पहले कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के इवेंट्स की मेजबानी करने वाला है। उन्होंने अपना उद्देश्य स्पष्ट रखते हुए कहा कि उनका लक्ष्य खेलों का ऐसा माहौल तैयार करना और एक ऐसा बुनियादी ढांचा तैयार करना है, जो ओलंपिक्स जैसे बड़े आयोजनों का समर्थन कर सके।

उन्होंने बताया कि अहमदाबाद में किस स्तर पर खेलों के विकास का प्रयास हो रहा है। 800 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया वीर सावरकर कॉम्प्लेक्स इसी का एक उदाहरण है। इसके अलावा उन्होंने मोटेरा स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल स्पोर्ट्स एंक्लेव का भी जिक्र किया।

अमित शाह ने आत्मविश्वास के साथ कहा, मुझे विश्वास है कि जब भारत ओलंपिक्स की मेजबानी करेगा, तब भारत पदक विजेता देशों की टॉप-5 सूची में आ जाएगा। उन्होंने बताया कि 2014 में खेल बजट 800 करोड़ का था, लेकिन अगले 11 सालों में यह बढ़कर 2025 में 4 हजार करोड़ का हो गया है।

हार्दिक पांड्या ने अपने नाम की बड़ी उपलब्धि, टी20आई में ये रिकॉर्ड बनाने वाले पहले भारतीय बने

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे तीसरे मैच में हार्दिक पांड्या ने बड़ा रिकॉर्ड बनाते हुए टी20आई में अपने 100 विकेट पूरे कर लिए हैं। धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ स्टेडियम में उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की। हार्दिक से पहले अर्शदीप सिंह और जसप्रीत बुमराह इस मुकाम को हासिल कर चुके हैं।

पांड्या को टी20आई में 100 विकेट पूरे करने के लिए एक विकेट की जरूरत थी। उन्होंने ट्रिस्टन स्टब्स को 6.6 ओवर में जितेश शर्मा के हाथों आउट करवाकर यह रिकॉर्ड अपने नाम किया। इतना ही नहीं पांड्या भारत के लिए टी20आई में 100 विकेट लेने और 1000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी हैं। वहीं ओवरऑल बात करें तो वह इस एलीट लिस्ट में जिम्बाब्वे के सिकंदर रज़ा, बांग्लादेश के शाकिब अल हसन और अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी के साथ शामिल हो गए हैं।

टी20आई में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट

अर्शदीप सिंह - 71 मैचों में 108 विकेट

जसप्रीत बुमराह - 82 मैचों में 101 विकेट

हार्दिक पांड्या - 123 मैचों में 100 विकेट

युजवेंद्र चहल - 80 मैचों में 96 विकेट

भुवनेश्वर कुमार - 87 मैचों में 90 विकेट

प्लेइंग 11

भारत : अभिषेक शर्मा, शुबमन गिल, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती

दक्षिण अफ्रीका : रीजा हेंड्रिक्स, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), एडेन मार्कराम (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, ट्रिस्टन स्टब्स, डोनोवन फरेरा, मार्को जेनसन, कॉर्बिन बॉश, एनरिक नॉर्टजे, लुंगी एनगिडी, ओटनील बार्टमैन

गिल के मुकाबले इस बल्लेबाज का फॉर्म भारत के लिए ज्यादा चिंता की बात : मोहम्मद कैफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि ICC T20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले शुभमन गिल के मुकाबले सूर्यकुमार यादव का फॉर्म मेन इन ब्लू के लिए ज्यादा चिंता का विषय है। टी20 वर्ल्ड कप का 10वां एडिशन 7 फरवरी 2026 को शुरू होगा और 8 मार्च को फाइनल तक होगा। भारत और श्रीलंका 20 टीमों के इस टूर्नामेंट की सह-मेजबानी 29 दिनों में आठ जगहों (भारत में पांच और श्रीलंका में तीन) पर करेंगे।

सूर्या का फॉर्म भारत के लिए ज्यादा चिंता का विषय : कैफ

इस साल टी20आई क्रिकेट में दोनों बल्लेबाजों के संघर्ष को देखते हुए मोहम्मद कैफ को लगता है कि भारत को गिल के बजाय सूर्या के फॉर्म के बारे में ज़्यादा

चिंता करनी चाहिए क्योंकि एक तय कप्तान को बदला नहीं जा सकता। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'टी20 वर्ल्ड कप नजदीक है, इसलिए गिल के मुकाबले सूर्या का फॉर्म भारत के लिए ज्यादा चिंता का विषय है। भारत के पास ओपनिंग के कई विकल्प हैं, लेकिन एक तय कप्तान को बदला नहीं जा सकता।'

2025 में एक भी फिफ्टी नहीं लगा पाए सूर्या और गिल

टी20आई क्रिकेट में सूर्यकुमार का फॉर्म तेजी से गिरा है। भारत के टी20आई कप्तान ने इस साल 19 मैचों में 201 रन बनाए हैं। सूर्यकुमार इस साल टी20आई में अभी तक एक भी फिफ्टी नहीं बना पाए हैं। इस दाएं हाथ के बल्लेबाज का औसत 14.35 और स्ट्राइक रेट 126.41 रहा है। दूसरी ओर गिल का भी टी20आई क्रिकेट में यह साल अच्छा नहीं रहा है। इस दाएं हाथ के बल्लेबाज ने इस साल सबसे छोटे फॉर्मेट में 14 मैचों में 263 रन बनाए हैं। गिल अभी तक एक भी फिफ्टी नहीं बना पाए हैं। उनका औसत 23.90 और स्ट्राइक रेट 142.93 है।

आईपीएल2026 ऑक्शन से पहले सरफराज खान का धमाका, सिर्फ इतनी गेंदों में जड़ी तूफानी फिफ्टी

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल 2026 मिनी ऑक्शन से पहले सरफराज खान ने अपने बल्ले से जोरदार संदेश दे दिया है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में मुंबई की ओर से खेलते हुए सरफराज ने हरियाणा के खिलाफ महज 25 गेंदों में 64 रनों की विस्फोटक पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 18 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और 256 के शानदार स्ट्राइक रेट से रन बरसाए। उनकी इस पारी में 9 चौके और 3 छक्के शामिल रहे।

हरियाणा के गेंदबाजों पर बरपा कहर

सुपर लीग के शुरुआती मुकाबले में हैदराबाद के खिलाफ फ्लॉप रहने के बाद सरफराज ने जोरदार वापसी की। हरियाणा के खिलाफ उन्होंने शुरू से ही आक्रामक तेवर दिखाए और गेंदबाजों को संभलने का मौका नहीं दिया। उनकी यह पारी ऑक्शन से पहले फ्रेंचाइजियों का ध्यान खींचने के लिए काफी मानी जा रही है।

हाई-स्कोरिंग मैच में मुंबई की शानदार जीत

इस मुकाबले में हरियाणा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 234 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने आक्रामक अंदाज में लक्ष्य का पीछा किया। सरफराज खान और यशस्वी जायसवाल के बीच 37 गेंदों में 88 रनों की तेज साझेदारी हुई। जायसवाल ने 50 गेंदों में 101 रन की शतकीय पारी खेली और मुंबई ने 15 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। इस रोमांचक टी20 मैच में कुल 472 रन बने।

ऑक्शन के पहले सेट में शामिल सरफराज

आईपीएल 2026 मिनी ऑक्शन 16 दिसंबर को अबू धाबी में होगा। 1000 से ज्यादा खिलाड़ियों में से 350 को शॉर्टलिस्ट किया गया है। सरफराज खान का नाम

ऑक्शन के पहले सेट में शामिल है, जिसमें पृथ्वी शॉ, कैमरून ग्रीन, टिम डेविड, डेवोन कॉनवे और जेक फ्रेजर मैकगर्क जैसे बड़े नाम भी मौजूद हैं। मौजूदा फॉर्म को देखते हुए सरफराज पर बड़ी बोली लगने की पूरी संभावना है।

विजय हजारे ट्रॉफी खेल सकते हैं रोहित शर्मा और विराट कोहली

नई दिल्ली। रोहित शर्मा और विराट कोहली इस साल विजय हजारे ट्रॉफी खेल सकते हैं। कोहली का नाम भारत के प्रमुख 50 ओवर के घरेलू टूर्नामेंट के लिए दिल्ली की संभावित टीम में शामिल होने के बाद, रोहित का चयन भी लगभग तय है। पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की मुंबई में विजय हजारे ट्रॉफी के कुछ मैचों में खेलने की संभावना हैं ताकि भारत की अगली वनडे सीरीज से पहले उन्हें तैयारी का मौका मिल सके। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सफल सीरीज के बाद, भारत की अगली वनडे द्विपक्षीय सीरीज न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू होगी।

इसका मतलब है कि उस सीरीज से पहले काफी समय है और अब केवल वनडे फॉर्मेट में खेलने वाले रोहित शर्मा और कोहली घरेलू क्रिकेट में खेल सकेंगे। यह बीसीसीआई की उस नीति के अनुरूप भी है जिसके तहत फिट और उपलब्ध सभी खिलाड़ियों के लिए घरेलू मैच खेलना अनिवार्य है। महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन के एक सूत्र ने बताया, 'टीम का चयन हर मैच के आधार पर किया जाएगा और हमें उम्मीद है कि रोहित कुछ मैच खेलेंगे, हालांकि अभी तक उनकी तरफ से कोई पुष्टि नहीं मिली है, लेकिन अभी समय है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के बाद अगले हफ्ते टीम का चयन होने की संभावना है। अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे मैच भी हैं, इसलिए उनकी उपलब्धता पर निर्भर करेगा।'

मंधाना ने हरमनप्रीत के नाम का स्टैंड बनने पर दी बधाई, कहा मुझे तुम पर गर्व है

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना ने महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाम पर एक स्टैंड का नाम किये जाने पर बधाई देते हुए कहा है कि मुझे तुम पर गर्व है। मंधाना ने हरमनप्रीत को सोशल मीडिया पर बधाई देते हुए लिखा कि महिला क्रिकेट के लिए ये दिन दिन काफी अच्छा रहा जब किसी खिलाड़ी के नाम पर स्टैंड बना है। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने विश्व विजेता टीम की कप्तान हरमनप्रीत को सम्मानित करने उनके नाम पर एक स्टेडियम का उद्घाटन किया था। बीसीसीआई ने हरमनप्रीत का एक वीडियो अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किया है। इसे साझा करते हुए मंधाना ने लिखा, 'बधाई हो हरमनप्रीत। महिला क्रिकेट के लिए क्या शानदार दिन है, मुझे तुम पर बहुत गर्व है।' इस वीडियो में हरमनप्रीत ने कहा, 'विश्व कप जीतने के बाद मेरी जिंदगी में बहुत कुछ बदल गया है पर मुझे लगता है कि यह मेरे लिए एक खास पल है जिस मैदान पर मैंने खेलना शुरू किया था, आज आखिरकार उसपर मेरे नाम पर एक स्टैंड बना है। ये मेरे लिए बेहद गर्व का पल है और मैं इसके लिए पीसीए की आभारी हूं। लंबे संघर्ष के बाद ये दिन आया है। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम ने आईसीसी विश्वकप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराया था। वह तीसरी भारतीय महिला क्रिकेटर बनीं जिनके नाम पर एक स्टैंड का नाम रखा गया है. इससे पहले झूलन गोस्वामी और मिताली राज के नाम पर स्टैंड बने थे पर हरमनप्रीत को सक्रिकय क्रिकेटर के तौर पर ये सम्मान मिला है। इसके साथ ही हरमनप्रीत को 11 लाख रुपये का चेक भी मिला है। के अलावा अमनजोत कौर और हरलीन देओल को भी 11 लाख रुपये मिले हैं। वहीं फील्डिंग कोच मुनीश बाली को 5 लाख रुपये मिले हैं।

नीदरलैंड्स ने अर्जेंटीना को हराकर जीता एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप का खिताब

सैंटियागो (चिली) (एजेंसी)। नीदरलैंड्स ने फाइनल मुकाबले में एक बार फिर से ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए अर्जेंटीना को 2-1 से हराकर लगातार तीसरी बार एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। डच टीम ने रिकॉर्ड छठी बार विश्व कप का खिताब जीता और 2022, 2023 और अब 2025 में जीत के साथ लगातार तीसरा खिताब अपने नाम किया।

मैच की शुरुआत में नीदरलैंड्स ने पहले हाफ में एक पेनल्टी कॉर्नर और एक ओपन प्ले से गोल करके मैच अपने नाम कर लिया और फिर निर्णायक चरणों में एक बहुत ही मजबूत रक्षात्मक संरचना के माध्यम से अपनी मामूली बढ़त को बनाए

रखा।इस दौरान अर्जेंटीना लगातार दबाव दिखी। नीदरलैंड्स को दूसरे क्वार्टर में सफलता उसम समय मिली जब आइवी टेलियर ने 24वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से गोल करके डच टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। गूसजे मोएस ने 27वें मिनट में गोल करके बढ़त को दोगुना कर दिया।

अर्जेंटीना ने रक्षात्मक अनुशासन के साथ जवाब दिया, दबाव के सबसे कठिन चरणों को सहा और पेनल्टी कॉर्नर से अपने पहले स्कोरिंग मौके बनाए, दूसरे क्वार्टर में दो प्रयास किए लेकिन सफलता नहीं मिली। दूसरे हाफ में अर्जेंटीना ने लारा कैसास ने 37वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से गोल करके स्कोर 2-1 कर दिया और अर्जेंटीना की खिताबी मुकाबले में वापसी कराई। इसके बाद नीदरलैंड्स ने अपनी रक्षापंक्ति को मजबूत बनाए और रखा और अर्जेंटीना को गोल करने का कोई मौका नहीं दिया। ब्राजील ने चीन को 5-1 से हराकर कांस्य पदक जीता।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : यशस्वी के शतक से मुम्बई ने हरियाणा को हराया

मुम्बई। बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के शतक 101 रनों की सहायता से मुम्बई ने हरिणाण के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी ट्रॉफी में जीत के लिए मिले 235 रनों के लक्ष्य को छह विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया है। ये इस टूर्नामेंट में लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले सबसे बड़ी जीत का रिकार्ड झारखंड को था जो उसने पंजाब बे खिलाफ 237 रन बनाकर हासिल किया था। इस मैच में अपनी पारी से यशस्वी ने साबित किया है कि वह केवल टेस्ट ही नहीं टी20 के भी अच्छे बल्लेबाज हैं। सुपर लीग के इस मैच में हरियाणा ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए एक बड़ा स्कोर बनाया।। उनके बल्लेबाज़ों ने शुरुआत से ही आक्रामक बल्लेबाजी रते हुए मुंबई के गेंदबाज़ों को कोई मौका नहीं दिया। 235 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछ करते हुए यशस्वी ने पूरी जिम्मेदारी से खेला। नॉकआउट चरण के इस मैच में मुंबई की टीम ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। उसके खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही सराकात्मक रुख अपनाया। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए यशस्वी जायसवाल ने शुरुआत से ही आक्रामक बल्लेबाजी की। इस बल्लेबाज ने एक के बाद एक आक्रामक शॉट खेले और केवल 48 गेंदों में ही अपने 50 रन पूरे कर लिये। यशस्वी ने अपनी इस पारी में 16 चौके और एक छक्का लगाया। ये उनका टी20 में चौथा शतक था। यशसवी की बल्लेबाजी के सामने हरियाणा के गेंदबाज बेबस दिखे। सबसे अधिक अंशुल कंबोज पर उनका कहर टूटा। कंबोज की 13 गेंदों पर ही उन्होंने 34 रन बना दिये। वहीं सुमित कुमार के एक ओवर में उन्होंने केवल 13 गेंदों में 25 रन बनाये। इससे मुंबई का रन रेट अच्छा बना रहा और उसके बल्लेबाजों पर कोई दबाव नहीं आया। यशस्वी जब आउट हुए तब मुंबई को जीत के लिए केवल सात रन बनाने थे। जीत से सिर्फ सात रन दूर थी।

पीसीबी ने टी20 विश्व कप 2026 पोस्टर में उसके कप्तान को जगह नहीं मिलने पर नाराजगी जतायी, आईसीसी से की शिकायत

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आरोप लगाया है कि टी20 विश्व कप 2026 के टिकट पोस्टर में पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा की तस्वीर नहीं लगायी गयी है। पीसीबी ने इस बारे में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से भी शिकायत की है। पीसीबी का कहना है कि पाक कप्तान को पोस्टर में जगह नहीं दिया जाना संतुलन और निष्पक्षता के सिद्धांतों के खिलाफ है, क्योंकि पाक टीम टूर्नामेंट का हिस्सा है। पीसीबी ने इस मामले पर आईसीसी को पत्र लिखकर नाराजगी भी जतायी है। पीसीब का कहना है कि ऐसे प्रमोशनल पोस्टर करोड़ों फैंस तक पहुंचते हैं और इनमें पाक कप्तान के नहीं होने से प्रशंसकों को ठेस लगती है। पीबीबी ने ये भी कहा कि एशिया कप के दौरान भी पाक कप्तान को प्रमोशनल कैपेन में जगह नहीं मिली थी। पीसीबी ने कहा कि उसे उम्मीद है कि आइसीसी इस मामले पर ध्यान देगी। पाकिस्तान टीम अभी आईसीसी टी20 रैंकिंग में सातवें स्थान पर है पर पीसीबी का मानना है कि रैंकिंग के आधार पर किसी देश के कप्तान की उपेक्षा नहीं की जा सकती। पीसीबी का कहना है कि उसके दुनिया भर में काफी प्रशंसक है और इसी कारण उसे भी बराबर प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। दूसरी ओर आईसीसी ने अभी तक अपनी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। अब देखना होगा कि आईसीसी इस मामले में क्या फैसला करता है।

गनथर के खिलाफ हार के साथ ही सीना का 25 साल लंबा डब्ल्यूडब्यलूई करियर समाप्त हुआ

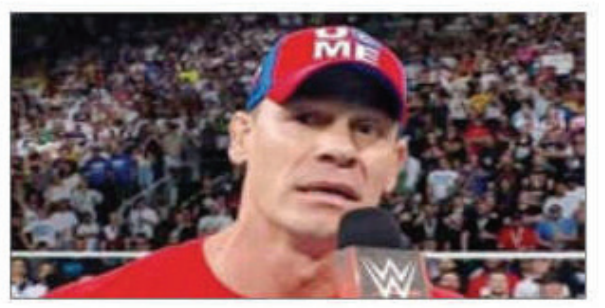

वॉशिंगटन। दिग्गज डब्ल्यू डब्यलू ई रेसलर जॉन सीना को यहां कैपिटल वन एरीना में हुए अपने अंतिम मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। सीना को इस मैच में गनथर ने हराया। गनथर के सामने इस मुकाबले में सीना टिक नहीं पाये और उन्होंने हार मान ली। मैच के बाद सीना ने अपनी टी-शर्ट और रिस्टबैंड रिंग में छोड़ने और दर्शकों का अभिवादन करने के बाद रिंग से विदायी दे ली। इस मुकाबले में सीना ने अंतिम बार अपनी ताकत दिखाने का प्रयास किय पर गनथर के सामने उनकी एक न चली। इस मुकाबले के साथ ही सीना का 25 साल लंबा डब्ल्यू डब्यलू ई करियर समाप्त हो गया। इसमें सीना का बनाया हुआ गीत 5 माय टाइम इज नाउ5 बज रहा था। सीना के प्रतिद्वंदी गुंथर के नाम भी कई रिकार्ड हैं। वह डब्ल्यू डब्यलू ई इतिहास के सबसे लंबे समय तक इंटरकॉन्टिनेंटल चैंपियन रहे हैं और पूर्व विश्व हेवीवेट चैंपियन भी हैं। ऐसे में प्रशंसकों को एक रोमांच मुठभेड़ देखने को मिली। इसमें सीना पूरी ताकत से उतरे।

सीना ने पहले ही साफ कर दिया था कि यह उनका आखिरी मैच है और इसके बाद वह सक्रिय रेसर के रूप में नहीं उतरेंगे। सीना ने कहा है कि मुझे अच्छा लगता है कि प्रशंसक सोचते हैं कि मैं फिर लौट सकता हूं हालांकि इस बार ऐसा नहीं होगा। उनके अनुसार यह मुकाबला उनके करियर का अंतिम मैच था। भले ही भविष्य में रेसलमेनिया जैसे बड़े इवेंट हों पर अब वह रिंग में नहीं उतरतेंगे। सीना को पीपल्स चैंपियन भी कहा जाता है। उन्होंने डब्ल्यू डब्यलू ई के ब्रांड एंबेसडर के तौर पर इसे पूरी दुनिया में लोकप्रिय बनाया था। उन्होंने अपने फाउंडेशन के जरिए हजारों बीमार बच्चों की इच्छाएं पूरी कीं। इसी कारण रिंग के अंदर और बाहर, दोनों जगह उनके प्रशंसकों की भारी संख्या रही है। इसी कारण उनके विदायी मैच में प्रशंसक भावुक हो गये थे। इस दौरान कई दिग्गज सितारे भी दर्शकों में शामिल थे।

वैभव सूर्यवंशी जैसा टैलेंट, लेकिन एक चूक से शुरू होने से पहले खत्म हो गया करियर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट में जब भी कोई युवा बल्लेबाज अपने आक्रामक खेल से सुर्खियां बटोरता है, तो उससे बड़ी उम्मीदें जुड़ जाती हैं। आज वैभव सूर्यवंशी उसी दौर से गुजर रहे हैं। बेखौफ बल्लेबाज़ी, तेज स्ट्रोक्स और मैच का रुख पलटने की क्षमता ने उन्हें उभरते सितारे के रूप में स्थापित किया है। लेकिन यही खूबियां कभी एक और युवा बल्लेबाज़–पृथ्वी शॉ में भी नजर आती थीं। फर्क सिर्फ इतना है कि वैभव का सफर शुरू हो रहा है, जबकि पृथ्वी शॉ की कहानी एक चेतावनी बन चुकी है।

वैभव सूर्यवंशी: आक्रामकता की नई पहचान

वैभव सूर्यवंशी अपनी अटैकिंग बल्लेबाज़ी के लिए पहचाने जाने लगे हैं। आईपीएल से लेकर अंडर-19 एशिया कप तक, उन्होंने अपने प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है। यूएई के खिलाफ 95 गेंदों में 171 रनों की धमाकेदार पारी ने उन्हें अलग पहचान दी। नई गेंद हो या तेज गेंदबाज़, वैभव शुरुआत से ही दबाव बनाना जानते हैं। तेज फुटवर्क, शानदार कवर ड्राइव और दमदार पुल शॉट उनकी बल्लेबाज़ी की खासियत हैं।

पृथ्वी शॉ का सपनों जैसा उदय

पृथ्वी शॉ का करियर किसी सपने से कम नहीं था। अंडर-19 वर्ल्ड कप में कप्तानी, टेस्ट डेब्यू में शतक और घरेलू क्रिकेट में रनों की बरसात–हर जगह उनका बल्ला बोल रहा था। उनकी आक्रामक शैली के चलते क्रिकेट जगत ने उन्हें ÷नेक्स्ट सुपरस्टार÷ तक कहना शुरू कर दिया था। लेकिन शुरुआती सफलता के साथ आया दबाव और शोहरत को वह संभाल नहीं पाए।

अनुशासन की कमी बनी सबसे बड़ी वजह

जहां वैभव के सामने लंबा रास्ता है, वहीं पृथ्वी शॉ का करियर गलत फैसलों की भेंट चढ़ गया। खराब रूटीन, फिटनेस पर ध्यान न देना और मैदान के बाहर की जिंदगी को प्राथमिकता देना–इन सबका असर उनके खेल पर पड़ा। चयनकर्ताओं का भरोसा डगमगाया और धीरे-धीरे टीम इंडिया के दरवाज़े उनके लिए बंद होते चले गए। टैलेंट भरपूर था, लेकिन कमिटमेंट की कमी ने सब कुछ खत्म कर दिया।

वैभव के लिए सबक

वैभव सूर्यवंशी आज उसी मोड़ पर खड़े हैं, जहां कभी पृथ्वी शॉ थे। फर्क बस इतना है कि इतिहास अब सामने है। पृथ्वी शॉ की कहानी वैभव के लिए चेतावनी है कि सिर्फ प्रतिभा से करियर नहीं बनता। अनुशासन, फिटनेस, सही संगत और फोकस ही किसी खिलाड़ी को लंबी रेस का घोड़ा बनाते हैं।

निष्कर्ष

भारतीय क्रिकेट ने कई ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी देखे हैं, जो उम्मीदों का बोझ नहीं संभाल पाए।

पृथ्वी शॉ का टैलेंट वैभव सूर्यवंशी से कम नहीं था, लेकिन एक छोटी सी चूक ने उनके करियर की दिशा बदल दी। अब यह वैभव पर निर्भर करता है कि वह इतिहास से सबक लेकर खुद को भारतीय क्रिकेट का सच्चा भविष्य बनाते हैं या नहीं।

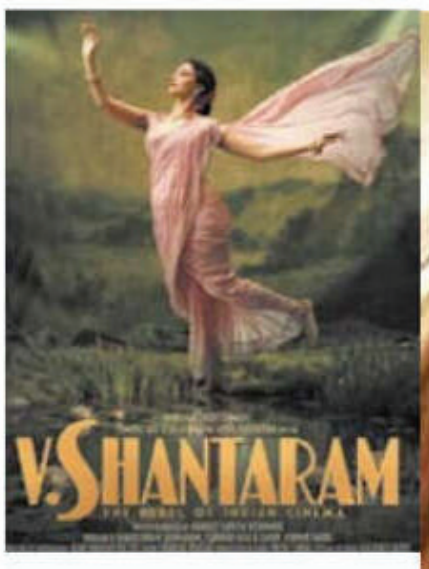

जयश्री के पोस्टर पर मिली प्रतिक्रिया से गदगद हुईं तमन्ना भाटिया

इस साल कुछ बायोपिक फिल्में रिलीज हो चुकी हैं, और कुछ रिलीज के लिए बाकी हैं, लेकिन कुछ ही ऐसी होती हैं जो चर्चा का विषय बन पाती हैं। वी. शांताराम भी इसी कड़ी में एक महत्वपूर्ण फिल्म होगी, जो हिंदी सिनेमा के स्वर्णिम दौर को फिर से जीवंत करेगी। दरअसल, यह फिल्म बीते जमाने के महान निर्देशक वी. शांताराम के जीवन पर आधारित है, जिनका किरदार अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी निभा रहे हैं। वहीं, फिल्म में वी. शांताराम की पत्नी जयश्री का किरदार अभिनेत्री तमन्ना भाटिया निभा रही हैं। हाल ही में मेकर्स ने अभिनेत्री के पहले लुक की तस्वीरें शेयर की थीं, जिसमें वे गुलाबी रंग की साड़ी में बेहद खूबसूरत नजर आ रही थीं। यह लुक पुराने दौर के भारतीय सिनेमा की याद दिला रहा था।

अभिनेत्री का लुक रिवील होने के बाद प्रशंसकों समेत इंडस्ट्री के कई लोगों ने तारीफ की थी। अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए इंस्टाग्राम पर पोस्ट करके लिखा, जयश्री जी के पोस्टर पर प्यार मिला, वह पूरी अभिनेत्री का है। उनकी शालीनता, सुंदरता और विरासत को मेरा सलाम। जब मैंने फिल्म को लेकर हां कहा है, तब से ही जयश्री से मेरा लगाव गहरा हो गया था। वी. शांताराम की सोच ने अपने समय से बहुत आगे बढ़कर सिनेमा को नया रूप दिया था। उन्होंने लिखा, जयश्री बनने ने मुझे जितना सिखाया है, मैंने सोचा भी नहीं था और अब मैं इस यात्रा के आगे आने वाले हर अनुभव का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। अभिनेत्री की पोस्ट उनके फैंस और साथी कलाकारों को काफी पसंद आ रही है। वे कमेंट सेक्शन में तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने हार्ट इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी।

आलिया भट्ट को मिला गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट के खाते में एक और उपलब्धि जुड़ गई है। एक्ट्रेस को रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। आलिया को ट्यूनीशियाई अभिनेत्री हेंड सबरी के साथ एक समारोह में सम्मानित किया गया, जिन्हें उमर शरीफ अवॉर्ड से नवाजा गया। रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का पांचवां संस्करण सऊदी अरब के जेद्दा में आयोजित किया जा रहा है।

आलिया ने जताई खुशी

गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड जीतने पर खुशी जताते हुए आलिया ने कहा कि गोल्डन ग्लोब्स द्वारा सम्मानित होना मेरे लिए गर्व की बात है। मैं दुनिया भर में फिल्म और टेलीविजन में बदलाव ला रही महत्वाकांक्षी कलाकारों और महिलाओं की नई पीढ़ी की ओर से बोलने का मौका मिलने के लिए आभारी हूं। ऐसे समय में जब वैश्विक स्तर प्रभावशाली कहानियों को बताने के लिए लोग एकजुट हो रहे हैं, यह सम्मान वाकई काफी महत्वपूर्ण बन जाता है।

गोल्डन ग्लोब की अध्यक्ष ने की आलिया की प्रशंसा

इस मौके पर गोल्डन ग्लोब्स की अध्यक्ष हेलेन होहेन ने कहा कि हमें आलिया भट्ट को गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड से सम्मानित करते हुए बेहद खुशी हो रही है। यह पुरस्कार अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में उनके असाधारण योगदान के लिए है। साथ ही वैश्विक मंच पर फिल्म व टेलीविजन के एक गतिशील और प्रभावशाली केंद्र के रूप में मिडिल ईस्ट के लगातार आगे बढ़ने का जश्न मनाता है।

'अल्फा' में नजर आएंगी आलिया

वर्कफ्रंट की बात करें तो आलिया भट्ट जल्द ही यशराज फिल्म के स्पाई यूनिवर्स की आगामी फिल्म 'अल्फा' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ शरवरी वाघ और बॉबी देओल भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। आलिया आखिरी बार फिल्म 'जिगरा' में नजर आई थीं।

डिजिटल क्रिएशन पर बोलीं प्राजक्ता कोली

यूट्यूबर और एक्ट्रेस प्राजक्ता कोली ने साफ कहा है कि डिजिटल कंटेंट क्रिएशन का दौर न तो खत्म हुआ है और न ही धीमा पड़ा है, बल्कि पिछले दस साल में यह पहले से कहीं ज्यादा बड़ा, तेज और अनिश्चित हो गया है। बातचीत में जब उनसे पूछा गया कि क्या सोशल मीडिया अब इन्फ्लुएंसर-डॉमिनेटेड हो गया है और कंटेंट क्रिएटर्स की शेल्फ लाइफ खत्म हो रही है, तो प्राजक्ता ने कहा, मुझे बिल्कुल ऐसा नहीं लगता। यह कम नहीं हुआ है, बस बदल गया है। दस-ग्यारह साल पहले जब हमने काम शुरू किया था, तब सिर्फ लॉन्ग-फॉर्म वीडियो चलते थे। आज लोगों का अटेंशन बस बंट गया है। आज कई नए-नए प्लेटफॉर्म्स आ गए हैं। प्राजक्ता ने साल 2017 के डिजिटल बूम को गेम-चेंजर बताया। उन्होंने कहा, उसी बूम की वजह से आज भारत में इतना काम है कि पहले से कहीं ज्यादा क्रिएटर्स मौजूद हैं। यही कारण है कि आज भारत दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल इकॉनमी बन चुका है। हर बड़ा ब्रांड, हर बड़ी कंपनी भारत की तरफ देख रही है और हमारे साथ काम करना चाहती है।

क्रिएटर बनने की जर्नी को उन्होंने पूरी तरह अनप्रेडिक्टेबल बताया। प्राजक्ता ने कहा, इस इंडस्ट्री में कोई तय रोडमैप या ब्लूप्रिंट नहीं होता। यह एक रोलरकोस्टर राइड है। कभी लगता है कि तीन-चार अच्छे वीडियो बन गए, जिंदगी सेट हो गई। फिर पांचवां वीडियो आते-आते सब बदल जाता है। इस पागलपन में कोई पैटर्न नहीं, कोई रिदम नहीं। सब कुछ खुद ही करना पड़ता है। उन्होंने यह भी माना कि पिछले दस साल में उनकी सबसे बड़ी सीख यही रही है कि बदलाव को जल्दी अपनाना जरूरी है।

उन्होंने बताया, मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण रहा यह समझना कि इस समय कौन-सी चीज चल रही है, कौन सी चलनी बंद हो गई और फिर बिना रुके अगली चीज की तरफ बढ़ जाना। प्राजक्ता का मानना है कि डिजिटल स्पेस का सफर जितना चुनौतीपूर्ण है, उतना ही रोमांचक भी है।

फिल्म 'टेढ़ी है पर मेरी है' में जितेंद्र कुमार के साथ इश्क फरमाएंगी आरजे महवश

सोशल मीडिया एन्फ्लुएंसर और क्रिकेटर युजवेंद्र चहल की गर्लफ्रेंड आरजे महवश अब बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। उनकी पहली फिल्म 'टेढ़ी है पर मेरी है' की घोषणा आज हो गई है। इस फिल्म को कोरियोग्राफर और निर्देशक रेमो डिसूजा प्रस्तुत कर रहे हैं। फिल्म की घोषणा करते हुए एक अनाउंसमेंट वीडियो जारी किया गया है।

जितेंद्र कुमार के साथ बनेगी महवश की जोड़ी

फिल्म को प्रस्तुत करने वाले कोरियोग्राफर-निर्देशक रेमो डिसूजा ने फिल्म का अनाउंसमेंट वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में जितेंद्र कुमार की आवाज में वॉइस ओवर है, जो फिल्म में लीड रोल निभा रहे हैं। फिल्म में जितेंद्र कुमार गुलाब हकीम के किरदार में नजर आएंगे, जबकि आरजे महवश नगमा का किरदार निभाएंगी। हालांकि, आरजे महवश की झलक अभी नहीं दिखी है। वहीं जितेंद्र कुमार भी सिर्फ एक तस्वीर में नजर आए हैं। वीडियो में सिर्फ फिल्म के मेकर्स और कास्ट का खुलासा हुआ है। अनाउंसमेंट वीडियो में जितेंद्र कुमार गुलाब और नगमा की मोहब्बत की कहानी का परिचय देते हैं।

पर्दे पर दिखेगी गुलाब और नगमा की अनोखी मोहब्बत

इस अनाउंसमेंट वीडियो को शेयर करते हुए रेमो डिसूजा ने कैप्शन में लिखा है, 'गुलाब और नगमा की मोहब्बत। एक ऐसी मोहब्बत जिसमें जान कम है, लेकिन जुनून ज्यादा है। गुलाब में मोहब्बत का कीड़ा है और नगमा में एक कुदरत का। दिल धड़कता है, कहानी मोड़ लेती है और प्यार जिद दिखाता है और उसी जिद में दिल धड़कते हैं।

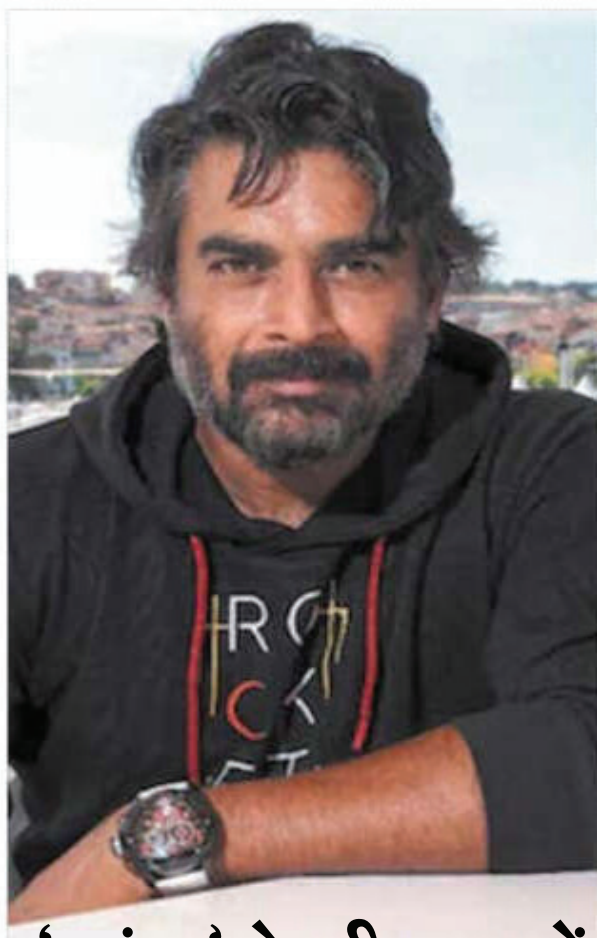

'धुरंधर' के सीक्वल में अपने किरदार पर आर माधवन ने दिया अपडेट

आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ा रही है। फिल्म की कहानी से लेकर कास्टिंग तक की काफी चर्चा की जा रही है। इस मल्टी स्टारर फिल्म में आर माधवन ने इंटेलिजेंस ब्यूरो के निदेशक अजय सान्याल का किरदार निभाया है। 'धुरंधर' के बाद अब दर्शक फिल्म के सीक्वल को लेकर उत्साहित हैं, जिसकी घोषणा मेकर्स ने फिल्म के अंत में ही कर दी है। अब आर माधवन ने फिल्म के सीक्वल और अजय सान्याल के अपने किरदार को लेकर बड़ा हिंट दिया है।

दूसरे पार्ट में ज्यादा होगा माधवन का किरदार

बातचीत के दौरान आर माधवन ने फिल्म के निर्देशक आदित्य धर की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि आदित्य धर एक साधु हैं। इतनी सघन और गहन फिल्म बनाने की सारी उथल-पुथल के बीच वह चिंताओं को शांत करने के लिए वहीं बैठे रहते हैं। 'धुरंधर' में आदित्य के साथ काम करने के बाद मैं उनके साथ बार-बार काम करना चाहता हूं। वहीं फिल्म के सीक्वल और अपने किरदार को लेकर माधवन ने कहा कि पहले पार्ट में मेरी स्क्रीन प्रजेंस सीमित है। लेकिन मार्च में रिलीज होने वाले दूसरे भाग में मेरे किरदार की झलक साफ दिखाई देगी, क्योंकि वह रणवीर के किरदार को जासूस बनाने के लिए ट्रेनिंग देते हैं।

इस साल माधवन ओटीटी से लेकर सिनेमाघरों तक कई फिल्मों और सीरीज में नजर आए हैं। इस साल अपने काम को लेकर माधवन ने कहा कि मैंने साल की शुरुआत 'हिसाब बराबर' से की थी। जबकि साल का अंत 'धुरंधर' के साथ कर रहा हूं, जो मेरे करियर की सबसे अहम फिल्मों में से एक है। मुझे अपने करियर के सबसे क्रिएटिव दौर में सर्वश्रेष्ठ निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिला। मणिरत्नम, कमल हासन, राजकुमार हिरानी, राकेश ओमप्रकाश मेहरा, आनंद एल राय और अब आदित्य धर। मैं इससे ज्यादा और कुछ नहीं मांग सकता था।

19 मार्च 2026 को आएगा फिल्म 'धुरंधर' का अगला पार्ट

आदित्य धर द्वारा निर्देशित 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। फिल्म पांच दिनों में ही 142 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई कर चुकी है। इस स्पाई-थ्रिलर फिल्म में रणवीर सिंह के साथ अक्षय खन्ना, आर माधवन, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन और संजय दत्त भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। सच्ची घटनाओं से प्रेरित इस फिल्म का अगला पार्ट 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगा।

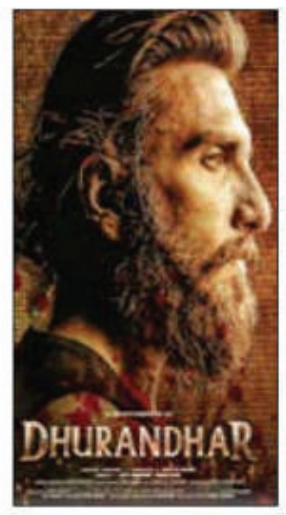

धनुष से सीखा कम बोलकर भी एक्ट में डूब जाना...

धनुष की फिल्म तेरे इश्क में चर्चा में है। इसमें मिर्जापुर फेम प्रियांशु पेन्युली भी हैं। उनसे हुई खास बातचीत...

तेरे इश्क में आनंद एल राय और धनुष के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

यह मेरे लिए आशीर्वाद जैसा था। दरअसल कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा की कंपनी से फोन आया कि राइटर हिमांशु शर्मा और डायरेक्टर आनंद एल राय आपसे मिलना चाहते हैं। जैसे ही उन्होंने कहा कि यह धनुष के साथ उनकी अगली फिल्म हो सकती है, मैंने कहा, अब इसमें सोचना क्या है? जब आपको आनंद सर, हिमांशु, प्रकाश राज सर और कृति सेनन जैसे एक्टर्स के साथ काम करने का मौका मिलता है, तो आप ज्यादा सोचते नहीं, बस भगवान को धन्यवाद कहते हैं। मैंने भी ऑफर मिलते ही वही किया। बाकी कृति कमाल की परफॉर्मर हैं।

आपके किरदार वेद को लेकर क्या कोई खास निर्देश दिए गए थे?

मेरे पहले दिन का सीन इलेक्शन वाले लड़कों के पीछे भागने का था। आनंद सर ने कहा...बाहरी तौर पर यह गुंडा दिखता है, पर अंदर से मासूम है। वेद और शंकर यूपीएससी का फुल फॉर्म नहीं जानते, लेकिन बनते हैं कि हम सबसे बेस्ट हैं।

धनुष की एक्टिंग टेक्निक में क्या खास लगा?

धनुष सर के साथ कुछ पता ही नहीं चलता। मुझे मुझे उनसे जो सीखने को मिला वह यह कि कम बोलकर भी कैसे एक्ट में डूब या छा जाया जाता है। हम दोनों ने एक ही हॉलीवुड प्रोड्यूसर के साथ काम किया है, तो उस पर भी काफी बातें हुई।

प्रकाश राज भी हैं इसमें। सीरियस टॉपिक पर बातें हुई?

प्रकाश सर बहुत मजेदार आदमी हैं। वह 5-6 भाषाएं जानते हैं। उनकी एनर्जी कमाल की थी। मैं उनसे सीखता था कि अलग-अलग इंडस्ट्री में काम करने का क्या अंतर होता है।

फिल्म काफी इंटेंस है पर शूट के दौरान क्या माहौल रहता था?

कभी पता ही नहीं चलता था कि हम इतनी इंटेंस फिल्म शूट कर रहे हैं। यह सब हुआ आनंद सर के कैप्टन ऑफ द शिप बनने के कारण। वह पूरे क्रू को बेटा या बेटी कहकर बुलाते हैं। उनसे रहने से फैमिली वाली फीलिंग आई।

मिर्जापुर 3 सीरीज में रॉबिन के किरदार मरना कितना जरूरी था?

जब मैंने पहली बार सुना था तो मेकर्स से कहा...ये क्या बात हुई, क्यों मार दिया? अब तो सब सही चल रहा था। शादी हो गई है, यह अपना बिजनेस बंद कर रहा है, सुधर रहा है लेकिन मुझे लगता है कि यह ओवरऑल एक शॉक एलिमेंट था कि गुड्डू अपनी ही फैमिली को बर्बाद कर सकता है। जब हमने आखिरी सीन शूट किया, तब मैं समझा कि क्यों ऐसा हुआ। रॉबिन तो हमेशा ही अमर है। वह एक ऐसा कैरेक्टर है जो लोगों के दिलों में छा चुका है। रॉबिन पर एक अलग स्पिन-ऑफ बन सकता है।

निर्देशक गुरमीत से या किसी और से बात हुई कि फिल्म क्यों ला रहे हैं?

मुझे लगता है यह एक अच्छा प्रयास है। मिर्जापुर एक ऐसा शो है जिसमें हर किरदार की अपनी फैन फॉलोइंग है। सिनेमा में लाना शायद इसलिए हो सकता है कि लोग इन किरदारों को बड़े परदे पर देखना चाहें।

संक्षिप्त समाचार

युद्ध के बाद अब गाजा में तूफान ने मचाई तबाही, ठंड से मर रहे बच्चे, बाढ़ ने छीन लिया आशियाना

गाजा, एजेंसी। युद्ध की भयंकर विभीषिका झेलने के बाद अब गाजा एक बड़े संकट का सामना कर रहा है। बायरन तूफान की वजह से लोग एक बार फिर बेघर हो गए हैं। इजरायली हमले के बाद टेंट और खंडहरों में रहने वाले लोग तूफान के बाद की ठंड बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। तेज बारिश, बाढ़, ठंडी हवाओं और ओलावृष्टि की वजह से लोगों की जान पर बनी हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस तूफान की वजह से अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी है जिनमें कई बच्चे शामिल हैं। तूफान की वजह से बडे इलाके में तेज बारिश हुई और टेंट पानी से भर गए ऐसे में लोग सूखी जगह की तलाश में टेंट छोड़ने को मजबूर हो गए। वहीं ठंड उनका पीछा नहीं छोड़ रही है। वहीं इजरायल की पाबंदियों की वजह से गाजा में जरूरत के सामान की भी आपूर्ति नहीं हो पा रही है। गाजा की सिविल डिफेंस एजेंसी ने कहा कि ठंड की वजह से कम से कम तीन बच्चों की मौत हो गई। अल शिफा अस्पताल ने मौतों की पुष्टि करते हुए कहा है कि अल मसरी की उम्र 9 साल थी और अल ख्वाजा केवल कुछ महीनों का ही था। वहीं नासर अस्पताल ने बताया कि 8 महीने के अब जहर की जान ठंड की वजह से चली गई। वहीं उत्तरी गाजा में एक दीवार गिरने की वजह से 6 लोगों की जान चली गई थी। बता दें कि बायरन मध्य भूमध्य सागर से पैदा हुआ एक तूफान है। यह तूफान गर्म हवाओं और नमी की वजह से बना है। इस तूफान ने इजरायल, लेबनान और तटीय इलाकों में असर दिखाया है। इसकी वजह से भारी बारिश और बर्फबारी के हालात बन गए हैं।

पायलट ने हवा में विमान को बंद करने की कोशिश की, इमरजेंसी लैंडिग

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की अलास्का एयरलाइंस के विमान एम्ब्रेयर ई75 रीजनल जेट में हुई एक घटना के मामले में पायलट को सजा सुनाई गई है। नींद की कमी से जूझ रहे एक पायलट पर आरोप है कि उसने मैजिक मशरूम के नशे में धुत होकर विमान को गिराने की कोशिश की। सिएटल से सैन फ्रांसिस्को जा रहे इस विमान में 83 पैसेंजर और अन्य क्रू मैंबर बैठे हुए थे। दिलचस्प बात यह है कि जिस पायलट ने यह हरकत की, वह विमान को उड़ा नहीं रहा था, बल्कि जंप सीट पर बैठकर यात्रा कर रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक 2023 में हुई इस घटना में जोसेफ एमर्सन नामक पायलट कॉकपिट की जंप सीट पर बैठा हुआ था। अचानक से उसने ऊपर की तरफ लगे दो शट-ऑफ हैंडल को खींचने की कोशिश की। इन हैंडल का उपयोग आग लगने की स्थिति में इंजन को बंद करने के लिए किया जाता है। इस घटना से जुड़ा हुआ एक ऑडियो भी सामने आया है। इसमें दूसरा पायलट जोसेफ को रोकते हुए और गालियां देते सुना जा सकता है। जोसेफ को रोकने के बाद वह हांफते हुए एयर ट्रैफिक कंट्रोलर से इमरजेंसी लैंडिग की अनुमति मांगता है। इसके बाद लैंडिंग होती है और एमर्सन को गिरफ्तार कर लिया जाता है। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, जब पूछा गया कि आखिर एक ऑफ ड्यूटी पायलट कॉकपिट में क्या कर रहा था, इसका जवाब देते हुए एयरलाइन ने बताया कि फ्लाइट पूरी तरह से भरी हुई थी, इसलिए एमर्सन को जंप सीट पर बैठाया गया था। एमर्सन से जब इस बारे में बात की गई तो उसने बताया कि वह दो दिन पहले खाए मैजिक मशरूम के नशे में था। उसने कहा, 'मुझे लगा कि मैं कहीं फंसा हुआ हूं। अब मैं अपने घर नहीं जा पाऊंगा। मुझे लगा कि अगर मैं इसे खींच देता हूं तो मैं जाग जाऊंगा। लेकिन इससे मैं जागा नहीं। मैं असल में हकीकत में ही था। अब मुझे समझ रहा है कि वह मेरी जिंदगी के सबसे निर्णायक तीन सेकेंड थे।' गौरलतब है कि एमर्सन ने क्रू के काम में बाधा डालने के आरोप को स्वीकार कर लिया है। दोष स्वीकार करने के बदले उसे जेल में बिताए 46 दिन की सजा को मानते हुए रिहा कर दिया गया है।

ट्रंप के संघर्ष रोकने का दावा फेल, थाई सेना ने सीमा पर फिर बरसाए बम, इमारतें-पुल तबाह

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड और कंबोडिया के बीज जारी सीमा संघर्ष में आयदिन नए-नए मोड़ सामने सामने आ रहे है। एक तरफ जहां बीते दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि वो एक फोन पर ये संघर्ष रुकवा देंगे। वहीं दूसरी ओर ताजा अपडेट ये है कि थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा पर हमले और तेज होते नजर आ रहे हैं। आज यानी शनिवार को भी थाईलैंड की सेना ने कंबोडिया सीमा के पास हवाई हमला किया। जानकारी के मुताबिक, थाई वायुसेना ने दो एफ-16 लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल करते हुए कई ठिकानों पर बम गिराए। मीडिया रिपोर्टस की माने तो स्थानीय समयानुसार शनिवार की सुबह 5 :50 बजे, थाई सेना ने कंबोडिया के पश्चिमी प्रांत बट्टमबोंग के त्मोर दा शहर के एक होटल की इमारत को निशाना बनाकर एक बम गिराया। इसके पांच मिनट बाद, 5 :55 बजे उसी इलाके में एक और होटल इमारत पर बमबारी की गई।

राज्य सरकार के सफल दो वर्ष : जिले में सोमवार को एक साथ लगेंगे लगभग 600 आरोग्य शिविर, मिलेगी निशुल्क चिकित्सकीय सेवाएं

पीबीएम अस्पताल, लूणकरणसर, नोखा और नापासर में लगेंगे रक्तदान शिविर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । राज्य सरकार के सफल 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में जिले के लगभग 600 स्वास्थ्य केंद्रों पर सोमवार को प्रातः 10 बजे से दोपहर 3:30 तक आरोग्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा जहां निशुल्क चिकित्सा, जांच व दवाइयां के साथ विभिन्न योजनाओं के लाभ भी दिए जाएंगे। वहीं चार स्थानों पर आयोजित होने वाले स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों में आमजन बढ़-चढ़कर भाग लेंगे।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पुखराज साध ने बताया कि उप स्वास्थ्य केंद्र से लेकर मेडिकल कॉलेज अस्पताल तक के समस्त राजकीय स्वास्थ्य केंद्रों पर एक साथ आरोग्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जिला स्तरीय शिविर पीबीएम अस्पताल के डायबिटिक सेंटर पर आयोजित होगा। यहां विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाओं के साथ-साथ गर्भवतियों की प्रसव पूर्व जांच, टीकाकरण, टीबी स्क्रीनिंग और कॉमन कैंसर सहित असंक्रामक रोगों को लेकर स्क्रीनिंग तथा विभिन्न योजनाओं के लाभ दिए जाएंगे। जिला स्तरीय रक्तदान शिविर का आयोजन पीबीएम अस्पताल के जिरियाट्रिक सेंटर पर किया जाएगा। शिविरों को लेकर समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। आरसीएचओ डॉ राजेश कुमार गुप्ता ने बताया कि पीबीएम के अलावा जिला अस्पताल नोखा, उप जिला अस्पताल लूणकरणसर व नापासर पर भी रक्तदान शिविर आयोजित होंगे।

शिविरों में मिलेंगी यह स्वास्थ्य सेवाएं

समस्त 30 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के व्यक्तियों की स्क्रीनिंग व काउंसलिंग हेतु आशा द्वारा मोबिलाइज किया जावेगा। आयुष्मान आरोग्य मंदिर एवं चिकित्सा संस्थानों पर आने वाले समस्त 30 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के व्यक्तियों की बीएमआई, बीपी, शुगर, एवं कॉमन कैंसर की जांच करते हुए ऑनलाईन पॉर्टल पर सूचना इन्द्राज की जावेगी। बीपी व शुगर की जांच में पॉजिटिव पाये जाने व फोलोअप पर आने वाले मरीजों का नियमानुसार उपचार कर एनसीडी पॉर्टल पर आभा आईडी के माध्यम से सूचना के इन्द्राज करते हुए रोगी को बचाव हेतु जीवन शैली में परिवर्तन हेतु सलाह देना।

टीबी मुक्त भारत अभियान

टीबी के संभावित लक्षणों वाले रोगियों की आशा, एएनएम व यू सीएचओ के माध्यम से चिन्हित करवाते हुए अनकी आवश्यक नॉट जॉच करवाना। टीबी रोगियों की पहचान करते हुए तुरन्त उपचार प्रारम्भ करवाना। टीबी रोगियों की दानदाता, स्वयं सेवी संस्थानों व अन्य (निक्षय मित्र) के माध्यम से पोषण किट का शत-प्रतिशत वितरण करवाते हुए उनके खाते में सहायता राशि का स्थानान्तरण करवाना।

गर्भवती महिलाओं का एएनसी चैकअप

सभी गर्भवती महिलाओं का 12 सप्ताह से पूर्व पंजीकरण व प्रसव पूर्व 4 जांचें, आईएफए व कैल्शियम गोली देते हुए हिमोग्लोबीन, ब्लड प्रेशर व वजन आदि जांचें सुनिश्चित करना। सभी गर्भवती महिलाओं का टीडी टीका व प्रथम तिमाही में हाई रिस्क प्रेगनेंसी की जांच एवं चिन्हिकरण करना। भ्रमण के दौरान इनकी इयू लिस्ट तैयार करते हुए पीसीटीएस सॉफ्टवेयर में सूचना का इन्द्राज करना।

शिशु टीकाकरण

सभी शिशुओं का टीकाकरण (ड्राप आउट व लेफ्ट आउट) करवाते हुए शिविर में एक दिन पूर्व भी सूचित करते हुए कार्य उपरान्त सूचना का इन्द्राज ऑनलाईन सॉफ्टवेयर पर करना।

लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट ने जरूरतमंदों को बांटी कंबल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सिंघाना।

लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट सिंघाना द्वारा कड़ाके की ठंड में खुले आसमान के नीचे रहने वाले जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरण करके सराहनीय पहल की है कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्ति थानेदार ईश्वर सिंह मेघवाल रहे अध्यक्षता महावीर यादव ठेकेदार ने की विशिष्ट अतिथियों में समाजसेवी मुकेश सैनी भाजपा नेता रमेश ठेकेदार पार्षद पवन मीणा व तरसेम महरिया रहे ट्रस्ट प्रभारी नरेंद्र स्वामी ने बताया कि लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कंबल वितरण का कार्यक्रम किया गया है जिसमें 35 महिला व पुरुषों को कंबल वितरण किया गया विशेष बात यह रही कि दिव्यांग जनों को उनके घर जाकर भी कंबल वितरण किया गया लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट सरकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का काम कर ही रहा है साथ ही दिव्यांग जनों की समस्याओं को भी सरकार तक पहुंचाने का काम कर रहा है कच्ची बस्तियों में रहने वाले परिवारों तक भी ट्रस्ट के कार्यकर्ता त्यौहारो में भी भाईचारा का संदेश देता है इस मौके पर अरविंद कुमार मुन्ना राजोरा सुरेश बागड़ी मन्नू गोठड़ी राधेश्याम सैनी पप्पू सैनी राकेश हरिराम सहित अनेक लोग मौजूद रहें।

श्री धेनु मानस- गौ कथा ज्ञान यज्ञ में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने की शिरकत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने रविवार को गांव ठरवी स्थित श्री कृष्ण प्रणामी गोशाला में आयोजित श्री धेनु मानस गौ कथा ज्ञान यज्ञ के दिव्य एवं भव्य आयोजन में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन हमारी सनातन संस्कृति, गौ-सेवा, धर्म और आध्यात्मिक चेतना को सुदृढ़ करने का अनुपम माध्यम हैं। राज्यसभा सांसद ने कहा कि गौ माता भारतीय संस्कृति और जीवन पद्धति का अभिन्न अंग रही हैं। गौ-सेवा न केवल धार्मिक कर्तव्य है, बल्कि यह समाज में संस्कार, करुणा और नैतिक मूल्यों को स्थापित करने का सशक्त माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि श्री धेनु मानस - गौ कथा ज्ञान यज्ञ जैसे आयोजन समाज को धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि परम पूज्य संत-महात्माओं के सान्निध्य एवं आशीर्वाद से संपन्न यह पावन आयोजन समाज में आध्यात्मिक जागरण के साथ-साथ गौ संरक्षण, पर्यावरण संतुलन और सामाजिक समरसता का संदेश दे रहा है। ऐसे आयोजनों से मानव जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और समाज में सद्भाव एवं सहयोग की भावना प्रबल होती है। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने समस्त ग्रामवासियों, गोशाला प्रबंधन समिति एवं आयोजन से जुड़े सभी सेवाभावी कार्यकर्ताओं को इस पावन यज्ञ के सफल आयोजन हेतु हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हम सभी का दायित्व है कि गौ-सेवा, धर्म और संस्कारों के इस महायज्ञ में सहभागी बनें तथा समाज को सकारात्मक दिशा देने में अपना योगदान दें।

माता केशरी देवी टी.टी कॉलेज राजोता में शैक्षणिक भ्रमण करवाया गया

भीम प्रज्ञा न्यूज़ खेतड़ी।

खेतड़ी विकास समिति द्वारा संचालित माता केशरी देवी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय राजोता,खेतड़ी में बी.एड द्वितीय वर्ष शैक्षणिक सत्र 2025-26 के प्रशिक्षणार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण करवाया गया जिसमें महाविद्यालय के सभी स्टाफ सदस्य एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.सुनिल कुमार सैनी ने प्रशिक्षणार्थियों को अपने शब्दों से लाभान्वित करते हुए कहा कि शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को व्यावहारिक शिक्षा देना, रूचि बढ़ाना, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक ज्ञान देना, सामाजिक कौशल (टीमवर्क, संचार) विकसित करना और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना है, ताकि कक्षा की सैद्धांतिक शिक्षा को वास्तविक दुनिया से जोड़कर सीखने के अनुभव को गहरा और स्थायी बनाया जा सके। कार्यक्रम में शिशराम आल्हा,रविंद्र आल्हा, महेंद्र सिंह,सुनील कुमार ,धुलेश मीणा, कैलाश चंद्र, मंजू शेखावत,अनिता जांगिड़ , अनिता देवी,प्रियंका सक्सेना, ओम प्रकाश,मदन सैनी, मामचंद ,महेश सैन आदि स्टाफ सदस्यों के साथ महाविद्यालय के सभी प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

पाकिस्तान में पहली बार संस्कृत, गीता पढ़ेंगे बच्चे, पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने की तैयारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में पहली बार बच्चे संस्कृत पढ़ेंगे और हिंदू धर्म ग्रंथ गीता का अध्ययन करेंगे। दरअसल लाहौर प्रबंधन विज्ञान विश्वविद्यालय (एलयूएमएस) ने पहली बार संस्कृत को अपने पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया है। आजादी के 77 साल बाद यह कदम पाकिस्तान में शैक्षिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा। संस्कृत कोर्स की शुरुआत एक सप्ताहिक कार्यशाला से हुई थी, जो अब कोर्स में बदल गई है। एलयूएमएस अब महाभारत और भगवद्गीता पर अलग कोर्स शुरू करने की तैयारी में है। इस प्रयास से पाकिस्तान में संस्कृत के विद्वान तैयार होंगे।

दक्षिण एशिया में सांस्कृतिक पुल बनाने की कोशिश : गुरमानी सेंटर के निदेशक डॉ. अली उस्मान कासमी और एफसी कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. शाहिद रशीद विभागाध्यक्ष हैं। डॉ. रशीद मुख्य रूप से संस्कृत व्याकरण और शास्त्रीय साहित्य पढ़ाते हैं। शुरुआत में छात्र कठिनाई महसूस कर रहे थे, फिर संस्कृत की तार्किक संरचना समझी और विषय में उनकी रुचि बढ़ गई। छात्र हैरान हो गए कि उर्दू और अन्य स्थानीय भाषाओं के कई शब्द संस्कृत से आए हैं। डॉ. कासमी और डॉ. रशीद मानते हैं कि संस्कृत, हिंदी, उर्दू और अन्य भाषाओं के बीच गहरा संबंध है। यह कोर्स दक्षिण एशिया में सांस्कृतिक पुल बनाने का अवसर प्रदान करता है और भाषाई समृद्धि बढ़ाता है।

एक साल का कोर्स बनाने की तैयारी : एलयूएमएस का लक्ष्य 2027 तक इसे एक साल का कोर्स बनाना है। कोर्स के माध्यम से छात्र महाभारत और भगवद्गीता जैसे ग्रंथों का अध्ययन कर सकेंगे और पाकिस्तान में शास्त्रीय भाषाओं के क्षेत्र में नए विद्वान तैयार होंगे। डॉ. रशीद का कहना है कि संस्कृत सांस्कृतिक स्मारक की तरह है। इसे सभी को अपनाना चाहिए। यह किसी एक मजहब की नहीं, बल्कि पूरी मानवता की धरोहर है।

ईयू ने रूसी संपत्तियां अनिश्चितकाल के लिए फ्रीज कीं : लंदन, एजेंसी। यूरोपीय संघ (ईयू) ने रूस की यूरोप में मौजूद अरबों यूरो की संपत्तियों को अनिश्चितकाल के लिए फ्रीज कर दिया है। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि हंगरी और स्लोवाकिया जैसे देश, जिनकी सरकारें रूस के प्रति नरम रुख रखती हैं, यूक्रेन की मदद में बाधा न डाल सकें। ईयू ने यह फैसला आर्थिक आपातकाल की एक विशेष प्रक्रिया के तहत लिया। इन संपत्तियों को तब तक रोका जाएगा, जब तक रूस यूक्रेन के खिलाफ युद्ध समाप्त नहीं करता और हुए नुकसान की भरपाई नहीं करता।

संभाग स्तरीय अमृता हाट मेला संपन्न, समापन समारोह में केंद्रीय मंत्री मेघवाल रहें मुख्य अतिथि

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । जिला प्रशासन तथा महिला अधिकारिता विभाग द्वारा आयोजित सात दिवसीय अमृता हाट मेले का रविवार को समापन हुआ। मेले में प्रदेश भर के जिलों से आए स्वयं सहायता समूहों, आर्टिजन की महिला समूहों के 32.70 लाख रुपए से अधिक राशि के उत्पाद विक्रय हुए। रविवार के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल थे। उन्होंने कहा कि यह ग्रामीण परिवेश की महिलाओं द्वारा अपने हस्तनिर्मित उत्पादों के विक्रय का बेहतर प्लेटफार्म है। यह महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण रहेगा। उन्होंने कहा कि संभाग स्तरीय अमृता हाट में 107 से अधिक स्टॉल्स की महिलाओं ने विक्रय के साथ एक दूसरे की कला संस्कृति को भी समझा। मेले में 200 से अधिक ग्रामीण और शहरी परिवेश की महिलाओं ने सहभागिता निभाई। राजस्थानी थाली आकर्षण का विशेष केंद्र रही। साथ ही बाड़मेर के अजरक प्रिंट, पोकरण के मिट्टी के बर्तन जयपुरी बंधेज की साड़ी और जूट की गुड़िया और बैग एवं अन्य जिलों की खूबियों से भरपूर उत्पाद बहुत पसंद किए गए। मेले के सफल आयोजन के साथ ये मेला महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, स्वावलंबन एवं आत्मनिर्भरता में मील का पत्थर साबित हुआ। साथ ही प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। महिला अधिकारिता विभाग की उपनिदेशक डॉ. अनुराधा सक्सेना ने सभी का आभार जताया।

रूसी मीडिया ने डिलीट किया शहबाज शरीफ की बेइज्जती वाला वीडियो

अश्गाबात, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय शांति और विश्वास मंच (पीस एंड ट्रस्ट फोरम) के दौरान पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने के लिए 40 मिनट से ज्यादा लंबा इंतजार कराना पड़ा। इस घटना ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया, जब रूसी मीडिया चैनल आरटी इंडिया ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें शरीफ को कथित तौर पर पुतिन-तुर्की राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन की बंद कमरे वाली बैठक में 'घुसते' दिखाया गया। वीडियो वायरल होते ही पाकिस्तानी पीएम का मजाक उड़ने लगा, लेकिन कुछ घंटों बाद आरटी इंडिया ने इसे डिलीट कर दिया।

घटना का बैकग्राउंड: क्या हुआ तुर्कमेनिस्तान में : तुर्कमेनिस्तान की राजधानी अश्गाबात में 12 दिसंबर को आयोजित इस फोरम ने देश की 30वीं स्थायी तटस्थता वर्षगांठ मनाई। इसमें रूस, तुर्की, ईरान और पाकिस्तान जैसे देशों के नेता शामिल हुए। पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ का पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक का शेड्यूल था, जो रूस-पाकिस्तान संबंधों को मजबूत करने का हिस्सा था। लेकिन बैठक में देरी हुई। आरटी इंडिया ने अपने पहले वीडियो को शेयर करते हुए लिखा कि शरीफ और विदेश मंत्री इशाक डार सहित पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल ने एक हॉल में 40 मिनट इंतजार किया। इसने एक अन्य वीडियो के साथ लिखा कि थक-हार कर शरीफ पुतिन-एर्दोगन की बंद बैठक में घुस गए, जहां वे सिर्फ 10 मिनट रुक सके और फिर बाहर आ गए। वीडियो में शरीफ को असहज दिखाया गया, जबकि पुतिन और एर्दोगन अपनी बातचीत में व्यस्त थे। आरटी इंडिया ने एक्स पर लिखा- पीएम शरीफ ने पुतिन के लिए 40 मिनट इंतजार किया, फिर एर्दोगन वाली बैठक में घुस गए। वे 10 मिनट बाद बाहर आ गए। यह पोस्ट तेजी से वायरल हुई, जिसके बाद सोशल मीडिया पर मीम्स की बाढ़ आ गई। यूजर्स ने इसे अंतरराष्ट्रीय अपमान करार दिया, कुछ ने कहा- पुतिन ने भिखारियों के लिए समय बर्बाद नहीं किया।

वीडियो डिलीट और सफाई: आरटी इंडिया की सफाई : वायरल होने के कुछ घंटों बाद आरटी इंडिया ने वीडियो और पोस्ट डिलीट कर दिया। चैनल ने एक्स पर सफाई जारी करते हुए कहा- हमने तुर्कमेनिस्तान में पीस एंड ट्रस्ट फोरम में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शरीफ के व्लादिमीर पुतिन से मिलने का इंतजार करने वाली पिछली पोस्ट डिलीट कर दी है। हो सकता है कि वह पोस्ट घटनाओं को गलत तरीके से दिखा रही हो। हालांकि बाद में पाकिस्तानी पक्ष की ओर से कुछ अन्य वीडियो जारी किए गए हैं जिनमें शरीफ-पुतिन से मिलते नजर आ रहे हैं। एक वीडियो में शरीफ को पुतिन के साथ कॉरिडोर में हाथ मिलाते और बातचीत करते दिखाया गया। खुद पाकिस्तान स्थिति रूसी दूतावास ने एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा- 12 दिसंबर को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अश्गाबात में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की।.. हालांकि पुराने विवादित वीडियो को लेकर न तो रूस और न ही पाकिस्तान की ओर से कोई आधिकारिक बयान आया है।

स्वतत्वाधिकारी, प्रकाशक, स्वामी, मुद्रक एवं संपादक-हरेश पंवार 'दासू भाई' द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट बुहाना रोड पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं से मुद्रित एवं पंवार सदन सहड़ का बास, पोस्ट पचेरी बड़ी, तहसील बुहाना जिला झुंझुनूं राजस्थान पिन-333515, से प्रकाशित। संपादक हरेश पंवार 'दासू भाई' मो. 9983040937 न्यूज़ एडिटर नवीन कुमार, मो. 7340091374